केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 178 गुरूवार 18 जनवरी 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

22 को दीपोत्सव का आह्वान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

भानपुर (बस्ती)। बुधवार को भानपुर नगर पंचायत क्षेत्र के सोनहा बाजार में अयोध्या से आए हुए पूजित अक्षत का धूमधाम से वितरण किया गया। घर घर पूजित अक्षत बांटकर आम जनमानस से आगामी 22 जनवरी को दीपोत्सव मनाने तथा पूजन अर्चन करने का आह्वान किया।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के जिला प्रचारक अभय जी, भाजपा नेता नितेश शर्मा, सुधाकर पांडेय नीरज तथा ओमप्रकाश जी के नेतृत्व में स्थानीय लोगों ने सोनहा बाजार, फेरसम से पचपेड़वा चौराहे तक घर घर पूजित अक्षत बांटकर आम जनमानस से आगामी 22 जनवरी को दीपोत्सव मनाने तथा पूजन अर्चन करने का आह्वान किया। इस अवसर पर योगेंद्र पांडेय, आनंद शुक्ल, फूलराम वर्मा, प्रमोद प्रजापति, संतोष मोदनवाल, मन्नू कसौधन, सानू मोदनवाल, अंकित शुक्ल, दिलीप पांडेय, विजय गुप्ता, विजय पांडेय, राजेश मोदनवाल आदि ने ढोल नगाड़े के साथ रामध्वज लेकर पदयात्रा के रूप में पूजित अक्षत का वितरण किया। साथ ही आगामी 22 जनवरी को उकड़ा हनुमान मंदिर पर आयोजित दीपोत्सव, सुंदरकांड, समरसता भोज कार्यक्रम में आने का निमंत्रण दिया।

10 स्वास्थ्यकर्मियों का वेतन रूका

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। स्वास्थ्य सेवाओं की हकीकत जांचने सीएमओ डा. आरएस दुबे ने तीन सीएचसी का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण में चिकित्सक समेत 10 स्वास्थ्य कर्मी अनुपस्थित मिले, जिनका वेतन बाधित किया है। सीएमओ पहले सीएचसी विक्रमजोत पहुंचे। यहां तीन फार्मासिस्ट मो. आजाद, अशोक चौधरी और राज कुमार अनुपस्थित मिले। इनका वेतन रोक दिया गया है। 2 बजे से शाम सात बजे तक एक डिलीवरी हुई थी। एक्स–रे मशीन इंस्टॉल नहीं हुई है। स्टाफ नर्स अनीता देवर्षे ने गाज व पैड के स्थान पर काटन पीस रखा हुआ था व इम स्टेरलाइज करने का तरीका नहीं मालूम है। कड़ी चेतावनी दी। इसके बाद सीएमओ सीएचसी हरैया पहुंचे। ड्रेसिंग रूम में ड्रेसिंग टेबल पर मैट नहीं लगा हुआ था। स्टाफ नर्स पूजा पाठक की ड्यूटी समय 2 बजे से साढ़े सात बजे तक एक डिलवरी हुई थी। इम में गाज पीस के स्थान पर कॉटन रखा हुआ था। अनीता वार्ड आया, डॉ. अजय वर्मा, डॉ. दीपक कुमार सिंह, वंदना, अवधेश पाल, प्रवीण कुमार, अमरनाथ तिवारी अनुपस्थित मिले। इन सभी का वेतन रोक दिया गया है। इसके अलावा सीएमओ ने सीएचसी कप्तानगंज का निरीक्षण किया। यहां स्थिति पाई गई।

हाइवे पर सफाई अभियान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। अयोध्या बस्ती लेन पर साफ सफाई अभियान तेजी से चल रहा है। एनएचआई के कर्मचारी फोरलेन को गढ्ढा मुक्त करने, डिवाइडर व चौराहों पर रेडियम पट्टी बनाने के काम में जुट गए हैं। डीएम अंद्रा वासी ने एनएचआई को अयोध्या–बस्ती मार्ग को गढ्ढा मुक्त व स्वच्छ रखने का निर्देश दिया है। छावनी कस्बे के राम जानकी तिराहे पर संकेतक लगाकर डिवाइडर की रंगाई पुताई हो रही है। सिरौली बाबू फ्लाईओवर पर सफाई कर्मियों की टीम पूरा दिन सफाई में जुटी रही। ब्लॉक के कई कर्मचारी शिब्बू सिंह की देखरेख में जमे रहे।

मतदाता सूची का प्रकाशन 23 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। विशेष संक्षिप्त मतदाता पुनरीक्षण अभियान के पश्चात मतदाता सूची का प्रकाशन अब 23 जनवरी को किया जाएगा। उक्त जानकारी जिलाधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी अन्द्रा वामसी ने दी है। उन्होंने बताया कि पूर्व में मतदाता सूची प्रकाशन की तिथि 22 जनवरी थी।

राम मंदिर आंदोलन की वजह से संन्यासी हूं,- योगी

लखनऊ (आभा)। राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का श्रेय लेने के प्रयास के विपक्षी दलों के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राम मंदिर आंदोलन की वजह से वह सन्यासी हैं और मंदिर में जो भी सेवक बन कर आएगा, उसका स्वागत किया जाएगा। एक टीवी चैनल के कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए योगी ने बुधवार को कहा कि हम श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठ समारोह का श्रेय नहीं ले रहे हैं। हम तो वहां सेवक बनकर जा रहे हैं। मंदिर का आमंत्रण कांग्रेस, समाजवादी पार्टी समेत सबको मिला है। उन्हें राम मंदिर में आने से किसी ने रोका नहीं है। वो राम के सेवक बनकर आएं, जो राम का सेवक बनकर आएगा, उसका स्वागत है। राम मंदिर आंदोलन में हम सब बहुत पहले से जुड़े हैं। सच तो यह है कि राम मंदिर आंदोलन की वजह से मैं संन्यासी हूं।

उन्होंने कहा कि उनका सौभाग्य है कि उनके पूज्य गुरुदेव राम मंदिर के आंदोलन के अग्रिम पंक्ति के योद्धाओं में से एक थे। उस कालखंड में भी उनके मन में इस आंदोलन का नेतृत्व था और गोरखपीठ उनके साथ थी। उनके गुरु, आरएसएस, विश्व हिंदू परिषद के नेतृत्व में ये आंदोलन आगे बढ़ा था। अब रामलला प्रकट हो रहे हैं, इससे ज्यादा उत्साह की बात और क्या हो सकती है।

योगी ने कहा कि हम लोग रामभक्त और राम के सेवक के रूप में मंदिर में मौजूद रहेंगे। हमें सौभाग्य मिला है कि हम रामकाज में सहभागी बन गए हैं। जिस काम को दर्जनों पीढ़ियां नहीं देख पाई, वो समय 500 साल बाद आया है।

राम मंदिर के लिए तीन लाख से ज्यादा लोग शहीद हुए और 76 से ज्यादा बार संघर्ष हुआ। राम मंदिर आंदोलन से जुड़े लोग गोरखपीठ आते रहते थे। आज परिणाम के रूप में राम मंदिर सबके सामने है। मेरे गुरु और दादा गुरु इस आंदोलन में शामिल रहे। अब मैं इस ऐतिहासिक क्षण का गवाह बनूंगा, ये मेरा सौभाग्य है।

उन्होंने कहा कि एक बार फिर रामलला और राम राज्य की अवधारणा सिद्ध हो रही है। राम मंदिर का काम कठिन था। लेकिन ये प्रभु की पहले से रची हुई कृपा है। हम सब उस अभियान के हिस्से हैं। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण कार्य असंभव था अगर केंद्र में मोदी सरकार नहीं होती। अब पूरे देश को रामलला के दर्शन करने के लिए मिलेंगे।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी और अन्य पार्टियों के चरित्र को जनता जानती है। योगी ने कहा कि अगर वह सीएम नहीं होते तो भी राम मंदिर आंदोलन में जुड़े होते और सबसे पीछे की कुर्सी पर बैठकर भी गौरवान्वित होते। ये समय श्रेय लेने का नहीं है। राम तो परम पिता परमेश्वर हैं।

आवास योजना में छूटे हुए व्यक्तियों को लाभ दिलाने के लिए तैयार होगी नयी सूची

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। आवास योजना में छूटे हुए व्यक्तियों को उसका लाभ दिलाने के लिए नयी सूची तैयार की जायेगी। उक्त जानकारी प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा तथा वस्त्र उद्योग विभाग के मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री राकेश सचान ने दी। वे साऊंघाट ब्लाक के ऊंचगांव ग्राम पंचायत में विकसित भारत संकल्प यात्रा के अन्तर्गत आयोजित चौपाल को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने निर्देश दिया है कि सर्वे करते समय सावधानी बरती जाए तथा प्रयास करें कि कोई भी पात्र व्यक्ति सूची में नाम दर्ज होने से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि पूर्व में तैयार की गयी सूची के अनुसार लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ दिलाया गया है, भविष्य में नई सूची से लोगों को योजनाओं का लाभ दिलाया जायेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूरे भारत में 6 करोड़ आवास दिए हैं, जिसमें से डेढ़ करोड़ उत्तर प्रदेश में हैं। इसमें से लगभग एक लाख लोगों को बस्ती में आवास

दिया गया है।

उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत 5 लाख रूपये की सीमा तक लोगों को निःशुल्क इलाज की सुविधा दी गयी है। अभी भी बहुत से लोगों का गोल्डेन कार्ड बनाया जाना शेष है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अभियान चलाकर शत प्रतिशत पात्र लोगों का कार्ड बनायें। उन्होंने कहा कि 2047 में हम देश को विकसित राष्ट्र बनायेंगे इसमें सभी नागरिकों के सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा संचालित सभी योजनाओं में महिलाओं को अधिकाधिक लाभ दिलाया गया है। जहां एक ओर महिलाओं की सुरक्षा के लिए मिशन शक्ति अभियान संचालित किया गया है वहीं दूसरी ओर उनके रोजगार के लिए भी प्रयास किये गये हैं ताकि उनको आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा सके।

उन्होंने कहा कि पूर्व में प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना को अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पूरे देश में लागू किया गया है। इसका उद्देश्य गांव के परम्परागत कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देना है। इसके लिए प्रधानमंत्री द्वारा पैंतीस हजार करोड़ रूपये का बजट रखा गया है। इसके अन्तर्गत प्रत्येक कारीगर को बीस हजार रूपये का टूलकिट दिया जाता है। आवश्यकता होने पर उसे तीन लाख रूपये का लोन भी दिलाया जाता है। इस अवसर पर उन्होंने सभी नागरिकों को विकसित भारत का संकल्प दिलाया। उन्होंने मिशन शक्ति, आयुष्मान भारत, कृषि, उद्यान, स्वास्थ्य, ग्राम्य विकास, समाज कल्याण आदि विभागों द्वारा लगाये गये स्टॉल का निरीक्षण किया। उन्होंने कृषि विभाग द्वारा ड्रोन के माध्यम से खेत में खाद का छिड़काव का निरीक्षण किया।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी, जिलाधिकारी अन्द्रा वामसी, ब्लाक प्रमुख अभिषेक कुमार, जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र, महेश शुक्ला, जगदीश शुक्ला, उपनिदेशक कृषि अशोक गौतम, जिला कृषि अधिकारी डा0 राजमंगल चौधरी, सीओ विनय सिंह चौहान, ग्राम प्रधान विजय पाण्डेय, अजय पाण्डेय, अखण्ड प्रताप सिंह, अर्जुन उपाध्याय, खण्ड विकास अधिकारी धर्मराज गुप्ता तथा ग्रामीणजन उपस्थित रहे। इस अवसर पर एलईडी वैन द्वारा ग्रामीणों को विकास योजनाओं की फिल्म दिखायी गयी तथा प्रधानमंत्री का संदेश प्रसारित किया गया।

पहले सुनेंगे पीएम मोदी के मन की बात फिर 28 को बस्ती के भाजपा कार्यकर्ता करेंगे रामलला के दर्शन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को भाजपा कार्यालय पर जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र की अध्यक्षता में संगठनात्मक बैठक सम्पन्न हुई। मुख्य अतिथि के रूप में जिले के प्रभारी मंत्री राकेश सचान मौजूद रहे। बैठक में चल रहे अभियानों की समीक्षा की गई जिसमें विकसित भारत संकल्प यात्रा, नमो एप्प, बूथ प्रबन्धन, पीएम विश्वकर्मा, दीवाल लेखन, जवाईनिंग कमेटी, लाभार्थी सम्पर्क, 22 जनवरी प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम, गांव चलो अभियान, नव मतदाता अभियान, सहकारिता विभाग, मन की बात, लोकसभा विस्तारक जैसे अभियानो की समीक्षा की गई।

मुख्य अतिथि ने कहाँ पार्टी ने जितने अभियान चलाए है ये सभी अभियान महत्वपूर्ण है। 28 जनवरी को बस्ती जनपद के कार्यकर्ताओं को अयोध्या में राम लला का दर्शन होगा लेकिन उसके पहले प्रधानमंत्री जी के मन की बात कार्यक्रम को सभी कार्यकर्ताओं को सुनना है। केंद्र और प्रदेश सरकार ने विभिन्न योजनाओं के माध्यम से हर व्यक्ति को लाभ पहुंचाया है। विपक्ष अब सोच ही नही पा रहा है कि लोकसभा की शुरुआत कहा से की जाए जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने कहां हमे हर एक बूथ को सशक्त करना है। पन्ना प्रमुख की भूमिका सबसे अग्रिम है। 22 जनवरी को हम सभी कार्यकर्ता अपने निकट मंदिरों पर व्यवस्थित रूप से सजावट कर घरों में दीवाली मनाएंगे। 28 जनवरी को प्रत्येक बूथ से 5 कार्यकर्ता अयोध्या चलेंगे और भव्य राम मन्दिर का दर्शन करेंगे। जिसके लिए पहले से ही रजिस्ट्रेशन होना अनिवार्य है। विकसित भारत संकल्प यात्रा लगभग 26 जनवरी को समाप्त हो रही है, इसके बाद गावँ चलो अभियान की सुरुआत होगी।इस मौके पर विधायक अजय सिंह, रवि सोनकर दयाशंकर मिश्र प्रेम सागर त्रिपाठी यशवंत सिंह पवन कसौधन महेश शुक्ला राम सिंगर ओझा अनिल दुबे, भानु प्रकाश मिश्रा प्रत्यूष विक्रम सिंह अमृत कुमार वर्मा श्रुति अग्रहरि राजेश पाल चौधरी सुरेंद्र सिंह भोला निषाद दिलीप पाण्डेय होली सिंह जॉन पांडे शालिनी मिश्रा मानस भूषण राम त्रिपाठी दुर्ग्वत विक्रम सिंह अमरेश पांडे रामचरण चौधरी सहित जिला पदाधिकारी और मंडल अध्यक्ष मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री के आवाहन पर चल रहे स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत तिलकपुर मन्दिर पर प्रभारी मंत्री ने साफ सफाई की गई तथा दीवार लेखन अभियान की सुरुआत की। बताते चले कि भाजपा का दीवार लेखन अभियान सोमवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा शुरु हो गया है। इसी क्रम में प्रभारी मंत्री राकेश सचान व जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने अभियान की शुरुआत तिलकपुर में दीवार लेखन का शुभारंभ किया। उन्होंने दीवार पर कमल का फूल बना ष्फिर एक बार मोदी सरकार का नारा लिखा गया। अभियान अब जिलों में जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में शुरु होगा। अभियान को मंडल और बूथ स्तर तक चलाया जाएगा। इसमें भाजपा और केंद्र सरकार की योजनाओं एवं उपलब्धियों को जन जन तक पहुंचाने का काम किया जाएगा। साऊँघाट विकास खण्ड के अन्तर्गत ऊंचगांव में विकसित भारत संकल्प यात्रा में जिलाध्यक्ष सहित प्रभारी मंत्री सम्मलित हुए।

प्रभारी मंत्री ने लाभार्थियों से संवाद करते हुए सरकार की योजनाओं पर चर्चा करते हुए कहाँ की अभी तक अगर किसी योजना से कोई भी व्यक्ति वंचित रह गया है तो ये मोदी जी की गारंटी वाली वैन उसे योजनाओं का लाभ दिलाएगी।

—प्रभारी मंत्री ने झाड़ू लगाकर दिया स्वच्छता का संदेश

यूपी के छह जिलों से अयोध्या के लिए हेलीकाप्टर सेवा

अयोध्या (आभा)। अयोध्या में राममंदिर के उद्घाटन के बाद लोगों के आवागमन को आसान बनाने की कोशिश में यूपी की योगी सरकार लगी हुई है। इसी के तहत अयोध्या के लिए छह जिलों से हेलीकॉप्टर सेवा की शुरूआत होने जा रही है। इसकी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। किराया भी तय हो गया है। अयोध्या आने वाले राम भक्तों और पयर्टकों को हेलिकॉप्टर से ही अयोध्या धाम का एरियल व्यू भी दिखाया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हेलीकॉप्टर सेवा की शुरूआत लखनऊ से करेंगे। बुधवार को ही सीएम योगी ने कोलकाता अयोध्या विमान सेवा का भी शुभारंभ किया है। अयोध्या में पिछले महीने ही पीएम मोदी ने अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का लोकार्पण किया था।

लखनऊ के बाद वाराणसी, गोरखपुर, मथुरा, आगरा और प्रयागराज से हेलीकाप्टर अयोध्या के लिए उड़ान भरेंगे। आने वाले समय में अन्य जिलों से भी इसकी शुरुआत होगी। हेलीकॉप्टर सेवा प्रदाता का चयन भी किया गया है। अयोध्या नगरी और राम मंदिर के हवाई दर्शन की जिम्मेदारी पर्यटन विभाग को दी गई है। इस सुविधा के लिए श्रद्धालुओं को पहले से बुकिंग

करानी होगी।

प्रमुख सचिव पर्यटन मुकेश मेश्राम ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राम भक्तों को हेलिकॉप्टर सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिये थे। यह हवाई सफर 15 मिनट होगा। एक श्रद्धालु का किराया 3,539 रुपये तय किया गया है। एक बार में 5 श्रद्धालु हेलीकाप्टर में उड़ान भरेंगे।

घोषणा पत्र के लिये कांग्रेस ने मांगे सुझाव

नई दिल्ली (आभा)। 2024 के लोकसभा चुनाव में कुछ ही महीने बचे हैं, ऐसे में कांग्रेस ने अपने चुनावी घोषणापत्र के लिए जनता के बीच जाने का फैसला लिया है। पार्टी ने इसके लिए एक नई वेबसाइट लॉन्च की है, जिसमें देशभर के लोगों से सुझाव मांगे हैं।

लोकसभा चुनाव 2024 से पहले कांग्रेस ने जनता से घोषणापत्र के लिए सुझाव मांगे हैं। पार्टी के घोषणापत्र समिति के अध्यक्ष पी चिदम्बरम ने कहा, "घोषणापत्र के निर्माण में भारत के लोगों को शामिल करने के लिए हमने सार्वजनिक परामर्श के साथ–साथ दो और माध्यम लॉन्च किए हैं। हमें पूरी उम्मीद है कि हजारों की संख्या में लोग, विशेषकर युवा, महिलाएं, किसान, श्रमिक, हर क्षेत्र के लोग कांग्रेस के घोषणापत्र में सुझाव देने के लिए सामने आएंगे। हम वादा करते हैं कि पूरी ईमानदारी से आपके मांगों को जितना संभव हो, घोषणापत्र में शामिल करने का प्रयास करेंगे। हमारी कोशिश है कि जनता का साथ मिलने के बाद पार्टी घोषणापत्र को वास्तव में 'पीपुल्स मेनिफेस्टो' बनाया जा सकेगा।"

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिलाध्यक्ष पर जान लेवा हमला मामले में मुकदमा दर्ज कर दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिलाध्यक्ष ठाकुर प्रेम नन्दवंशी को अराजक तत्वों द्वारा मारने पीटने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। 7 जनवरी की घटना का कोतवाली पुलिस ने तहरीर देने के बावजूद जब मुकदमा दर्ज नहीं किया तो दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई और मुकदमा दर्ज किये जाने की मांग को लेकर ठाकुर प्रेम नन्दवंशी ने 15 जनवरी से शास्त्री चौक के निकट अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है। ठाकुर प्रेम नन्दवंशी ने बताया कि जब तक मांगे पूरी नहीं हो जाती उनका धरना जारी रहेगा। कोतवाली पुलिस दोषियों पर मुकदमा दर्ज करने की जगह उन पर धरना समाप्त करने का दबाव बना रही है। एआईएमसीवीए के मण्डल अध्यक्ष डा. हरिकेश नन्दवंशी ने धरने को समर्थन देते हुये कहा कि यदि शीघ्र मुकदमा दर्ज न हुआ तो आन्दोलन को तेज किया जायेगा।

जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को दिये पत्र में पूर्व में ही भारत मुक्ति मोर्चा जिलाध्यक्ष आर.के. आरतियन ने कहा है कि मामला गंभीर है और कोतवाली पुलिस न्याय दिलाना तो दूर मुकदमा तक दर्ज

-शास्त्री चौक पर अनिश्चितकालीन धरना जारी

नहीं कर रही है। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिलाध्यक्ष ठाकुर प्रेम नन्दवंशी ने कोतवाली पुलिस को दिये तहरीर में कहा है कि गत 7 जनवरी रविवार को वे कोतवाली थाना क्षेत्र के रोडवेज तिराहा स्थित पाल होटल से खाना खाकर जब बाहर निकले तो रात्रि लगभग 9 बजे लगभग 15 से 20 लोगों ने अकारण उनके ऊपर जान लेवा हमला बोल दिया और लगभग 2 हजार रूपया छीन लिया। 5 से अधिक लोग मोटर साईकिल पर सवार हुये और एक कार नम्बर यू. पी. 51–ए.के.–9777 पर उन्हें जबरिया बैठा लिया गया। मारने पीटने के बाद बदमाशों ने उन्हें न्यू आदर्श हास्पिटल के सामने जान से मारने की धमकी देने के साथ ही उतार दिया। घटना के बाद ही कोतवाली पुलिस को सूचना दी गई।

पुलिस द्वारा इस मामले में अभी तक कोई कार्रवाई न किये जाने से राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा और भारत मुक्ति मोर्चा संगठनों में रोष है। पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने प्रशासन से मांग किया है कि सी.सी.टी.वी. फुटेज निकालकर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई किया जाय।

शास्त्री चौक पर चल रहे अनिश्चित कालीन धरने में हृदय गौतम,आलोक ठाकुर, अरविंद शर्मा, अमित कुमार,राजू शर्मा, नंदकिशोर शर्मा,डा शुभ नरायन,डा हरिकेश नंदवंशी, विद्यानंद, अवधेश कुमार, पवन कुमार, विद्यानन्द आदि शामिल रहे।

पार्टी का झण्डा रौदने के विरोध में कांग्रेस नेताओं ने किया 'रघुपति राघव राजाराम' का पाठ

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। अयोध्या में भाजपा व आरएसएस कार्यकर्ताओं द्वारा कांग्रेस पार्टी का ध्वज क्षतिग्रस्त कर उसे पैरों से रौंदने तथा पार्टी कार्यकर्ता अनोखे लाल तिवारी संग की गई अभद्रता से आहत कांग्रेसियों ने बापू की प्रतिमा के समक्ष 'रघुपति राघव राजाराम का पाठ' कर विरोध दर्ज कराया।

कांग्रेस अध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय ने कहा भाजपा खुद के द्वारा लगाई नफरत की आग में झुलस रही है। एक राजनीतिक दल के ध्वज को अपमानित करना नफरत की पराकाष्ठा है। भाजपा द्वारा देशभर में फैलाई जा रही नफरत इसी तरह फलती फूलती रही तो एक दिन भाजपा खुद इसमें जलकर भस्म हो जायेगी। आज हम लोग गांधीजी का प्रिय भजन गा कर घटना का विरोध दर्ज कर रहे हैं और ईश्वर से प्रार्थना कर रहे हैं कि भाजपा को सदबुद्धि दें।

डुमरियागंज लोकसभा के कोआर्डिनेटर देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने कहा राम को लाने से पहले भाजपा को राम का चरित्र पढ़ना

चाहिये जिसके राज्य में नफरत नही मोहब्बत थी और हर किसी के साथ न्याय होता था। मुख में राम बगल में छूरी रखने वालों के राम कभी आराध्य नही हो सकते। जिस आराध्य की हम साधना करते हैं उनके जीवन चरित्र को हमें जानना चाहिये और उसे अपने आचरण में शामिल करना चाहिये, किन्तु भाजपा का ऐसा संस्कार कहां ? एक सुनियोजित साजिश के तहत पूरे देश को नफरत की आग में झोंक दिया गया है। इसी को कहते हैं मुख में राम बगल में छूरी।

विरोध प्रदर्शन के दौरान रामभवन शुक्ल, गिरजेश पाल, अनिल कुमार भारती, अतीउल्लाह सिद्धीकी, महेन्द्र श्रीवास्तव, गुड्डू सोनकर, जयंत चौधरी बृजेश कुमार पाण्डेय, विश्वनाथ चौधरी, अलीम अख्तर, राजबहादुर निषाद, अवधेश सिंह, मंजू पाण्डेय, फिरोज खान, हरिनाथ सिंह, रामप्रीत दुसाध, रामबचन भारती, लक्ष्मी यादव, डीएन शास्त्री, मो. अकरम, सर्वेश शुक्ला, आनन्द निषाद, साधू पाण्डेय, रामधीरज चौधरी, अलाउद्दीन उर्फ वित्तन, करीम अहमद, ओमप्रकाश पाण्डेय, सोमनाथ संत, अशरफ अली सहित तमाम कांग्रेसी मौजूद रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 18 जनवरी 2024 गुरूवार

सम्पादकीय

एकला चलो रे की राह पर मायावती

मायावती ने आगामी लोकसभा चुनावों में अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा करके भले ही विपक्षी इंडिया गठबंधन को चौंकाया हो, लेकिन इस बात के कयास पहले ही लगाए जा रहे थे। हाल के दिनों में राजग की रीतियों—नीतियों को लेकर जिस तरह का उदार रवैया बसपा सुप्रीमो दिखा रही थीं, उससे भी ऐसे अंदाजे लगाए जा रहे थे। यहां तक कि पिछला लोकसभा चुनाव उन्होंने जिस सपा के साथ लड़ा था, उसके मुखिया को उन्होंने रंग बदलने वाला गिरगिट तक कह दिया। मायावती ने कहा कि जिन दलों के साथ बसपा ने पिछले चुनावों के दौरान गठबंधन किया था, उनके वोट बसपा को ट्रांसफर नहीं होते। बहरहाल, मायावती के एकला चलो के फैसले से इंडिया गठबंधन को झटका जरूर लगा है, खासकर देश की सबसे पुरानी कांग्रेस पार्टी को आस थी कि मायावती विपक्षी गठबंधन का हिस्सा बनेंगी तो वोटों का बिखराव रोका जा सकेगा। खासकर दिल्ली की कुर्सी का रास्ता दिखाने वाले उत्तर प्रदेश में बढ़त लेने के लिये, जहां वंचित समाज में पार्टी की मजबूत पकड़ रही है। जहां तक मायावती के वोट ट्रांसफर न होने वाले आरोप का सवाल है तो अन्य विपक्षी दल इस आरोप से सहमत नहीं हैं। बहुजन समाज पार्टी ने उ.प्र. में समाजवादी पार्टी के साथ मिलकर 1993 व 2019 में विधानसभा व लोकसभा के चुनाव लड़े थे। राजनीतिक पंडित मानते हैं कि वर्ष 1993 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में सपा और बसपा में वोट ट्रांसफर हुआ था। जिसके चलते राज्य में गठबंधन की सरकार बनी थी। हालांकि, वर्ष 2014 में सपा—बसपा अलग—अलग चुनाव लड़े थे, लेकिन वर्ष 2019 में दोनों साथ मिलकर लड़े। इससे दोनों दलों को फायदा हुआ। यहां तक कि बसपा को ज्यादा फायदा हुआ क्योंकि 2014 में भाजपा के राजनीतिक गणित से मात खाकर बसपा को एक भी सीट नहीं मिली थी। जबकि गठबंधन के साथ बसपा 2019 में दस लोकसभा सीट पाने में सफल रही। हालांकि, सपा को ज्यादा लाभ नहीं हुआ, उसके खाते में सिर्फ पांच लोकसभा सीट ही आईं।

बहरहाल, कतिपय राजनीतिक पंडित मानकर चल रहे हैं कि बसपा का अलग चुनाव लड़ने का निर्णय भाजपा को लाभ पहुंचाने वाला है। यह भी राजग की लिखी पटकथा का ही हिस्सा है। यहां तक कि सपा बसपा को भाजपा की बी टीम तक कहा करती थी। विपक्षी दल आरोप लगाते रहे हैं कि राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को सरकारी एजेंसियों के रडार में लाकर दुरूस्वप्न चित्रित किया जाता रहा है। यह भी तय है कि तमाम राजनीतिक दलों का अर्थशास्त्र पाक—साफ तो नहीं ही रहता है। जिसके चलते वे ईडी व अन्य वित्तीय एजेंसियों की संभावित कार्रवाई की आशंका में दबाव में आ जाती हैं। विपक्षी दल बसपा के राजग को परोक्ष रूप से लाभ पहुंचाने की रणनीति को इसी दृष्टि से देखते हैं। यही वजह है कि बसपा ने भी उन तीखे—तल्ख नारों से परहेज किया है जो अकसर वह सवर्णों को लेकर उछालती रही है। अब मनुवाद के नाम पर निशाने पर लेने का क्रम भी टूटा हुआ नजर आता है। कभी बसपा संस्थापक कांशीराम द्वारा बामसेफ व डीएस—4 जैसे संगठनों की स्थापना के बाद इसका राजनीतिक स्वरूप तय करने पर पार्टी के तेवरों में जो आक्रामकता होती थी, वह अब नदारद है। दरअसल, दलित—मुस्लिम गठजोड़ की वैचारिकी पर आधारित यह राजनीतिक दल कालांतर मुस्लिमों का भरोसा भी कायम न रख सका। एक समय पार्टी का उरोज इस कदर था कि 1987 के हरिद्वार लोकसभा उपचुनाव में दिग्गज दलित नेता राम विलास पासवान तक की जमानत जब्त हो गई थी। ये बसपा—सपा गठबंधन की ताकत थी कि 1992 में अयोध्या में विवादित ढांचा गिराये जाने के बाद चली राम लहर में भाजपा को हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन चार बार उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री रहीं मायावती का जनाधार अब इतना नहीं रह गया कि पार्टी किंग मेकर की भूमिका निभा सके। उसके परंपरागत जनाधार पर मोदी कैमिस्ट्री ने सेंध लगा दी है। बहरहाल, बसपा का अकेले चुनाव लड़ना भाजपा को रास आएगा क्योंकि इससे विपक्षी गठबंधन का जनाधार खिसकेगा। जिससे भाजपा की जीत की राह आसान हो सकती है।

धर्म—अध्यात्म की परम्परा और राजनीति

—निर्मल रानी—

श्री राम जन्मभूमि मंदिर,अयोध्या में श्प्राण प्रतिष्ठा श समारोह 22 जनवरी को होना प्रस्तावित है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ व उसके सहयोगी संगठन तथा भारतीय जनता पार्टी व उसकी केंद्र व राज्य की सरकारें इस आयोजन को न केवल राष्ट्रीय अपितु अभूतपूर्व व भव्य बनाने के लिये दिन रात काम कर रही हैं। इस आयोजन में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर केंद्र सरकार द्वारा बनाये गये 15 सदस्यीय ट्रस्ट, विशेषकर इस ट्रस्ट के भी निर्णय लेने की क्षमता रखने वाले कुछ गिने चुने मंदिर ट्रस्ट के सदस्य सक्रिय हैं या फिर स्वयं प्रधानमंत्री व उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री कार्यालय इस आयोजन की सीधी निगरानी कर रहा है। इस आयोजन में अरबों रुपये खर्च होने का अनुमान है। उधर श्धार्मिक अनुष्ठानश कहे जाने वाले इस पूरे आयोजन में हमारे देश के चार प्रमुख शंकराचार्यों इस ऐतिहासिक व धार्मिक आयोजन पर अपनी असहमति दर्ज कराते हुये इसमें शामिल न होने का निर्णय लिया है। वैसे तो ओडिशा के पुरी में गोवर्धन मठ के शंकराचार्य निश्चलानंद सरस्वती,गुजरात में द्वारकाधाम में शारदा मठ के शंकराचार्य सदानंद सरस्वती, उत्तराखंड के बद्रिकाश्रम में ज्योतिर्मठ,के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद तथा दक्षिण भारत के रामेश्वरम् में श्रृंगेरी मठ,के शंकराचार्य जगद्गुरु भारती तीर्थ सभी शंकराचार्यों ने सार्वजनिक तौर पर अपनी अपनी नाराजगी जाहिर करते हुये इसके कई अलग अलग कारण बताये हैं। परन्तु इनमें सबसे महत्वपूर्ण व विस्तृत साक्षात्कार बद्रिकाश्रम में ज्योतिर्मठ,के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद द्वारा सुप्रतिष्ठित पत्रकार करण थापर को दिया गया।

काबिले गौर है कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ व उसके सहयोगी संगठन व भारतीय जनता पार्टी राम जन्मभूमि मंदिर आंदोलन के दौरान प्रायः कुंभ मेलों के दौरान या अन्य अवसरों पर देश के साधु संतों द्वारा आयोजित विशाल धर्म संसद को अपने मंदिर आंदोलन का न केवल अगुआकार बल्कि मंदिर निर्माण व आंदोलन सम्बन्धी सभी निर्णय लेने वाला संगठन बताती थी।मंदिर आंदोलन के दौरान अक्सर यह सुनाई देता था कि मंदिर या आंदोलन सम्बन्धी फैसले संत समाज ही करेगा। परन्तु नरेंद्र मोदी के 2014 में सत्ता में आने के बाद तो गोया भाजपा व संघ ही न केवल देश बल्कि धर्म सम्बन्धी भी निर्णय अपनी इच्छा व राजनैतिक नफे नुक्सान के अनुसार लेने लगा। यहाँ तक कि चारों शंकराचार्यों के अनुसार संतों से हिन्दू धर्म के सबसे प्रमुख आराध्य भगवान राम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा सम्बन्धी किसी भी तरह की परिचर्चा करना तक मुनासिब नहीं समझा गया ? और जब इन्हीं शंकराचार्यों ने प्राण प्रतिष्ठा के मुहूर्त के समय को लेकर और अधूरे मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा किये जाने को लेकर तमाम सवाल खड़े किये तो 'पेशेवर ट्रोलर्स' व 'दरबारी मीडिया' द्वारा इन्हीं सम्मानित शंकराचार्यों पर तरह तरह के लांछन लगाये जाने लगे ? यहाँ तक कि भगवान राम को लेकर संतों के सम्प्रदाय तक पर बहस छेड़ दी गयी? उनकी कारगुजारियों पर सवाल खड़े होने लगे ? उन्हें कांग्रेसी बताया जाने लगा ? यहां तक कि चारों पीठों के वास्तविक शंकराचार्यों के जवाब में फर्जी शंकराचार्य व पीठाधीश्वर तक बयानबाजी के लिये उतार दिए गये ? किसी के पास शंकराचार्यों के इस सवाल का जवाब नहीं कि अधूरे मंदिर में मूर्ति स्थापना और प्राण प्रतिष्ठा कैसे हो सकती है ? शंकराचार्यों के अनुसार केवल मंदिर का गर्भगृह तैय्यार होने मात्र पर ही मूर्ति स्थापना व प्राण प्रतिष्ठा बिल्कुल नहीं की जा सकती।

ज्योतिर्मठ,के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद तो 22 जनवरी की तिथि का मुहूर्त निकालने को ही चुनौती देते हुये कहते हैं कि देश में जितने भी पंचांग प्रकाशित होते हैं जिनमें पूरे वर्ष के शुभ मुहूर्त का उल्लेख होता है उनमें किसी ने भी 22 जनवरी की तिथि को विशिष्ट मुहूर्त के रूप में प्रकाशित नहीं किया है। उन्होंने यह भी बताया की काशी के एक प्रतिष्ठित ज्योतिषी से यह कहा गया कि जनवरी माह में ही कोई शुभ मुहूर्त देखकर तिथि बतायें लिहाजा ज्योतिषी जी ने श्आज्ञा पालन श किया। अब सवाल यह है कि मंदिर भी अधूरा , शुभ मुहूर्त भी ऐसा नहीं जिसे कहा जाये कि यह पांच सदियों से प्रतीक्षारत भगवन राम के मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का अति विशिष्ट मुहूर्त हो ? फिर आखिर यह आयोजन पूर्णतः राजनैतिक आयोजन नहीं तो इसे क्या कहा जाये ? और जब शंकराचार्य जिन्हें बुलाया गया वे जा नहीं रहे और कुछ को बुलाया ही नहीं गया ,कोई कह रहे हम ताली बजाने के लिए नहीं जायेंगे , ऐसे में कांग्रेस,सोनिया गाँधी,खड़गे,अखिलेश या कम्युनिस्टों अथवा अन्य नेताओं के पीछे पड़ना या उन्हें राम विरोधी बताकर बिकाऊ मीडिया के हाथों उनके विरुद्ध मीडिया ट्रायल छेड़ना यह आखिर कैसा लोकतंत्र कैसी राजनीति तो कैसा धर्म ?

भगवान राम के मंदिर का आयोजन वास्तव में ऐसा होना चाहिये कि न केवल सभी साधु संत बल्कि सभी धर्मों व समुदायों के लोग,सभी राजनैतिक व सामाजिक दलों के लोग भी खुशी खुशी इस पावन क्षण के साक्षी बनें उसके भागीदार बनें। बजाये इसके बहुमत के नशे में मदमस्त वर्तमान सत्ता ने इस ऐतिहासिक अवसर पर शंकराचार्यों तक को आदर सम्मान व अहमियत कुछ भी नहीं दिया। यदि राजनीति के चाणक्य इस बात पर खुश होंगे कि इतिहास में यह लिखा जायेगा कि श्राम लला को कौन लाया था श तो उसी इतिहास में साथ ही यह भी दर्ज होगा कि सत्ता के अहंकार व स्वार्थपूर्ण राजनैतिक परिस्थितियों में ही जब रामलला विराजमान हो रहे थे तो उनका भवन (मंदिर) अधूरा था। और यह भी कि उनके आगमन के समय फिल्मी दुनिया के लोग,उद्योगपति,खिलाड़ी,नेता आदि तो उपस्थित थे परन्तु चारों शंकराचार्य विरोध स्वरूप अनुपस्थित थे। और यह भी कि अनेक राजनैतिक सामाजिक दलों ने इस आयोजन का बहिष्कार केवल इसलिए किया था कि इस धार्मिक आयोजन को पूरी तरह 'राजनैतिक आयोजन ' बना दिया गया था। स्वयं शंकराचार्यों का अनुमान है कि अभी मंदिर को पूर्ण रूप से तैयार होने में एक वर्ष और लग सकता है। और यह भी कि भगवान राम की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के लिये रामनवमी से अच्छा दिन व मुहूर्त और कौन सा हो सकता है ? परन्तु शंकराचार्यों की किसी आपत्ति या सुझाव पर विचार करने वाला कोई नहीं। उसके बाद भी श्राम राज श स्थापना के दावे हास्यास्पद नहीं तो और क्या? इस तरह की सत्तापरक व स्वार्थपूर्ण राजनीति भविष्य में धर्म,धर्माचार्यों,अध्यात्म व परम्पराओं को चुनौती भी दे सकती है।

सांप्रदायिकता हमारी मनुष्यता को भी चुनौती

—विश्वनाथ सचदेव—

अब राहुल गांधी पूर्व से पश्चिम की यात्रा पर हैं। उनकी पिछली यात्रा 'भारत जोड़ो यात्रा' के नाम से हुई थी। उस यात्रा के परिणामस्वरूप भारत कितना जुड़ा इसका कोई आकलन अभी हुआ नहीं है। हां, इस यात्रा से राहुल गांधी की छवि अवश्य कुछ सुधरी है। हो सकता है अब पूरब—पश्चिम वाली 'भारत जोड़ो न्याय—यात्रा' से उनकी छवि कुछ और सुधरे। अभी तो शुरुआत है, आगे—आगे देखिए होता है क्या। लेकिन इतना तो अवश्य कहा जा सकता है कि इस दूसरी यात्रा का कदम आगे बढ़ाने में कांग्रेस से कुछ देरी अवश्य हो गयी है। पिछली यात्रा वाला जोश और उसे तब मिला प्रतिसाद अब दिखेगा या नहीं पता नहीं।

इस तरह की यात्राओं को नाम कुछ भी दिया जाये, उनके राजनीतिक उद्देश्य को नकारा नहीं जा सकता। लगभग तीन दशक पहले लालकृष्ण आडवाणी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी ने एक रथ—यात्रा प्रारंभ की थी। उस यात्रा का घोषित उद्देश्य अयोध्या में 'भव्य—दिव्य राममंदिर' की स्थापना कहा गया था। आज वह मंदिर बन चुका है। लेकिन क्या यही उद्देश्य था उस यात्रा का? इन तीन दशकों में देश की राजनीति में भाजपा का जो स्थान बना है, उसमें लालकृष्ण आडवाणी की रथ—यात्रा के योगदान को नकारना देश की राजनीति और देश के 'मूड' को न समझना ही होगा। यह बात भी किसी से छिपी नहीं है कि तब अयोध्या के राम—मंदिर को राजनीति से जोड़ने की बात भाजपा के नेतृत्व ने छिपाने की कोशिश भी नहीं की थी। अयोध्या में भव्य राम मंदिर की स्थापना इस देश की आस्था से जुड़ी है। देश की अस्सी प्रतिशत आबादी के आराध्य हैं श्रीराम। राम मंदिर का निर्माण इस आबादी के विश्वासों—निष्ठाओं की एक अभिव्यक्ति भी है। लेकिन इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि अयोध्या में आज जो कुछ हो रहा है, उसका राजनीतिक लाभ भी संबंधित पक्षों को मिलेगा। ऐसा नहीं है कि कांग्रेस इस बात को समझती नहीं थी, पर उसे समझकर आवश्यक कदम उठाने में वह विफल हो गयी है। बेहतर होता कांग्रेस राम मंदिर के न्यासियों का निमंत्रण स्वीकार करती, समारोह में जाती और साथ ही इस मामले के राजनीतीकरण का विरोध भी करती। इस राजनीतीकरण की आलोचना वह अवश्य कर रही है, पर इसका राजनीतिक लाभ उठाने वालों के इरादों को पूरा न होने देने के लिए जिस राजनीतिक चतुराई की आवश्यकता अपेक्षित है, देश की सबसे पुरानी पार्टी में इसका अभाव स्पष्ट दिख रहा है। राहुल गांधी की पूर्व—पश्चिम वाली यात्रा में विलंब और जोश में कमी भी इस अभाव को प्रदर्शित करती है।

हमने अपने संविधान में पंथ—निरपेक्षता को एक आदर्श के रूप में स्वीकारा है। इसका अर्थ अधार्मिक होना नहीं, सब धर्मों को समान सम्मान देना है। एक तरफ धर्म—निरपेक्षता हमारा आदर्श है तो दूसरी और सर्वधर्म समभाव भी। हमारा राष्ट्रपति, हमारा प्रधानमंत्री, हमारे राजनेता, हिंदू, मुसलमान, ईसाई, बौद्ध आदि धर्मों में विश्वास करने वाले हो सकते हैं, पर हमारे शासन का कोई धर्म नहीं है, शासन की दृष्टि में सब धर्म समान हैं। समान होने चाहिए। धर्म को राजनीति का हथियार बनाने का मतलब सांप्रदायिकता को बढ़ावा देना है, और सांप्रदायिकता हमारी मनुष्यता को भी चुनौती है।

अयोध्या में भगवान राम के भव्य—दिव्य मंदिर के निर्माण का देश की जनता ने स्वागत ही किया है। इस संदर्भ में कुछ मुद्दों पर मतभेद हो सकते हैं, पर आज जो वातावरण देश में बना है वह सकारात्मक ही दिख रहा है। जरूरी है कि सकारात्मकता को बनाये रखा जाये। धर्म की राजनीति करने वालों को इस बात को समझना होगा कि सारे मतभेदों के बावजूद अयोध्या में रहने वाले मुसलमान मंदिर के निर्माण कार्य से भी जुड़े रहे हैं और मंदिरों के लिए आवश्यक वस्तुओं की व्यवस्था में भी योगदान देते रहे हैं। इस बात को नहीं भुलाया जाना चाहिए पूजा के फूल हों या मूर्तियों को पहनाये जाने वाले वस्त्र, इनका माध्यम भी मुख्यतरू वहां के मुसलमान ही रहे हैं। यही नहीं देश में अनेक स्थानों पर मंदिर निर्माण के लिए एकत्र किए जाने वाले कोष में भी मुसलमानों ने योगदान दिया है। महत्वपूर्ण यह नहीं है कि कितना दिया गया, महत्वपूर्ण यह है कि योगदान किया गया। आपसी सहयोग की यह भावना बनी रहे इसके लिए जरूरी है कि अब मंदिर—निर्माण का राजनीतिक लाभ उठाने की कोई कोशिश न हो। धर्म के नाम पर देश के मतदाताओं को बांटा न जाये।

हमने अपने संविधान में पंथ—निरपेक्षता को एक आदर्श के रूप में स्वीकारा है। इसका अर्थ अधार्मिक होना नहीं, सब धर्मों को समान सम्मान देना है। एक तरफ धर्म—निरपेक्षता हमारा आदर्श है तो दूसरी और सर्वधर्म समभाव भी। हमारा राष्ट्रपति, हमारा प्रधानमंत्री, हमारे राजनेता, हिंदू, मुसलमान, ईसाई, बौद्ध आदि धर्मों में विश्वास करने वाले हो सकते हैं, पर हमारे शासन का कोई धर्म नहीं है, शासन की दृष्टि में सब धर्म समान हैं। समान होने चाहिए। धर्म को राजनीति का हथियार बनाने का मतलब सांप्रदायिकता को बढ़ावा देना है, और सांप्रदायिकता हमारी मनुष्यता को भी चुनौती है।

यह बात कहना आसान है और ऐसी अपेक्षा करना भी गलत नहीं है। पर हकीकत यह भी है कि आज हमारी राजनीति में ऐसे तत्व हैं जिनके लिए धर्म आस्था का नहीं, वोट जुटाने का माध्यम है। इन तत्वों से सावधान रहने की आवश्यकता है, और इन्हें असफल बनाने की ईमानदारी कोशिश करने की भी। धर्म हमारे सोच, हमारे जीवन को संबल देने के लिए है, राजनीतिक नफे—नुकसान का हिसाब—किताब करने के लिए नहीं। शायद इसी संदर्भ में यह कहा गया था कि देश के प्रधानमंत्री मंदिर की प्राण—प्रतिष्ठा जैसे आयोजन से न जुड़ें तो बेहतर रहता। इस संदर्भ में एक और सुझाव भी आया है। अयोध्या में मस्जिद—निर्माण से जुड़े कुछ लोगों का प्रस्ताव है कि देश के प्रधानमंत्री यदि मस्जिद के शिलान्यास—कार्य से भी जुड़ें तो इससे दूरगामी संकेत होंगे— स्वागत योग्य संकेत।

सिर्फ भारत—जोड़ो कहने से बात नहीं बनेगी, भारत की एकता को मजबूत बनाने और बनाये रखने के लिए राजनीति से ऊपर उठकर राष्ट्र—हित के बारे में सोचना होगा। बात चाहे राहुल गांधी की यात्रा की हो या फिर प्रधानमंत्री के जगह—जगह जाकर राष्ट्र की एकता की दुहाई देने की, जरूरी यह है कि हमारी राजनीति अपने स्वार्थ के लिए धर्म की बैसाखी की मोहताज न हो। सच तो यह है कि धर्म को राजनीति से जोड़ने की कोशिश ही अपने आप में गलत है। धर्म जीवन को संवारने का माध्यम है इसे सत्ता की राजनीति से जोड़ना अपने आप में एक पाप है, एक अपराध है। रुकनी चाहिए यह प्रक्रिया। अपराध की सजा मिलनी चाहिए और पाप का प्रायश्चित होना चाहिए। अपनी—अपनी आस्था के नाम पर राजनीतिक स्वार्थों की सिद्धि का समर्थन नहीं किया जा सकता। नहीं किया जाना चाहिए।

बिना चार्ज किए 50 साल तक चलेगी बैट्री

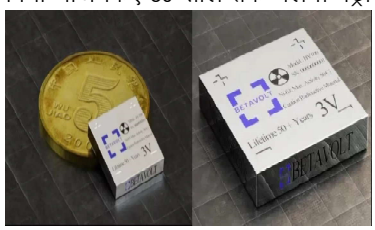

चीन के एक स्टार्टअप ने एटोमिक पावर वाली बैटरी बनाई है। कंपनी का दावा है कि ये बिना चार्जिंग और मेंटेनेंस के 50 साल तक पावर देगी। इस बैटरी का साइज महज एक सिक्के के बराबर है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, बीजिंग के बीटावोल्ट स्टार्टअप इस मॉड्यूल में 63 आइसोटोप को कंप्रेस करने में कामयाब रहा है, जो एक सिक्के से भी छोटा है। कंपनी ने ये भी कहा कि ये एटॉमिक एनर्जी को सबसे छोटा रूप देने वाली दुनिया की पहली बैटरी है। कंपनी का दावा है कि न तो इस बैटरी में आग लगेगी और न ही दबाव पड़ने पर इसमें विस्फोट होगा, क्योंकि अलग—अलग तापमान पर इसका परीक्षण किया जा चुका है। नेक्स्ट जेनरेशन बैटरी फिलहाल टेस्टिंग फेज में है। जल्द ही मोबाइल फोन और ड्रोन जैसे इक्विपमेंट्स के लिए बड़े पैमाने पर इसका प्रोडक्शन किया जाएगा।

कंपनी ने कहा कि, बीटावोल्ट एटॉमिक एनर्जी बैटरियां एयरोस्पेस, एआई इक्विपमेंट्स, मेडिकल इक्विपमेंट्स, माइक्रोप्रोसेसर, एडवांस्ड सेंसर, स्मॉल ड्रोन और माइक्रो रोबोट जैसे कई इक्विपमेंट्स में लंबे समय तक पावर सप्लाई कर सकती हैं। ये बैटरी खासतौर पर एआई की दुनिया में क्रांति लाने का काम करेगी।

बैटरी का डायमेंशन 15x15X5 एमएम है। ये परमाणु आइसोटोप और हीरे के सेमीकंडक्टर की पतली परतों से बना है। परमाणु बैटरी वर्तमान में 3 वोल्ट पर 100 माइक्रोवाट इलेक्ट्रिसिटी जनरेट करती है। कंपनी की प्लानिंग है कि 2025 तक इसे 1 वॉट की पावर पर ले जाए। बीटावोल्ट का कहना है कि ये पतली न्यूक्लियर बैटरी है, जो 100 माइक्रोवॉट की पावर जनरेट करती है।

कैसे काम करती है बैटरीये बैटरी आइसोटोप से निकलने वाली एनर्जी को इलेक्ट्रिसिटी में बदलने का काम करती है। पहली बार इस प्रक्रिया को 20वीं सदी में विकसित किया गया था। सोवियत संघ और अमेरिका के वैज्ञानिकों ने मिलकर ये कॉन्सेप्ट तैयार किया था। वैज्ञानिकों ने इस तकनीक का इस्तेमाल अंडरवॉटर सिस्टम और रिमोट साइंटिफिक स्टेशन में किया था। हालांकि, इसकी लागत ज्यादा आ सकती है और प्रोडक्शन के बाद ये महंगी बैटरी हो साबित सकती है। — **कुसुम**

धूमधाम से निकली महामंगल कलश शोभायात्रा

संवाददाता—गोण्डा। श्रीराम मंदिर नूतन विग्रह प्राण प्रतिष्ठा आमंत्रण गृह जनसम्पर्क अभियान के तहत जनता आदर्श इंटर कॉलेज पायरखास में विशाल मंगल कलश यात्रा निकली गयी। सैकड़ों की संख्या महिलाओं ने सिर पर कलश लेकर शोभायात्रा में शामिल हुई। राम भक्तों ने घर–घर अक्षत, दीपक और राम जन्मभूमि का चित्र वितरित किया गया।

राम जन्मभूमि पूजित अक्षत वितरण महामंगल कलश शोभा यात्रा बुधवार को श्रीरामलला प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव समिति पायरखास के तत्वाधान में निकली। मंगल कलश यात्रा शतचंडी यज्ञ मंडप से निकली ग्रामीणों को जागरुक किया गया। हाथ में भगवा ध्वज लिये पीले परिधान में निकले राम भक्तों के जय श्री राम के जय घोष से पूरा वातावरण राममय हो गया। बच्चों द्वारा भव्य झांकी सजायी गयी। कलश रथ यात्रा पर ग्रामीणों ने फूल भी बरसाए। जगह–जगह भव्य स्वागत किया गया। यात्रा का उद्देश्य भगवान राम के पूजित अक्षत को घर–घर में पहुंचने का लक्ष्य लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारी जागरण जन जागरण के माध्यम से हर घर में पूजित अक्षत को पहुंचाने का कार्य शुरू किया गया। प्रबंधक अवधेश कुमार मिश्रा लोगों से आवाह्न किया कि 22 जनवरी को सभी लोग अपने घर में दीप जलाकर दीपावली मनाये।

प्रबंधक अवधेश कुमार मिश्रा ने रामभक्तों को मंदिर का चित्र व पत्रक वितरित किया। भंडारे का आयोजन किया गया। सैकड़ों की संख्या राम भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। पूर्व प्रमुख बाबूराम यादव, प्रधानाचार्य अनिल कुमार मिश्र, भरत लाल त्रिपाठी, ज्ञान प्रकाश पाण्डेय, गंगा प्रसाद तिवारी, अनिल कुमार मिश्रा, विष्णु विवेक शुक्ला, श्याम बाबू कमल, प्रदीप गुप्त, डॉ पीएन द्विवेदी, राजेंद्र वर्मा, राम शंकर, बृजेश, मनोज, विजय, शशिबाला, रामसूरत, अमित सिंह, संतोष, राम कुमार, राजकुमार रहे।

महंत आलोक दासजी को प्राण प्रतिष्ठा का मिला आमंत्रण

संवाददाता—गोण्डा। अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में जयप्रभाग्राम क्षेत्र के निवासी आलोक कुमार पांडेय भी शामिल किए गए हैं। जानकीनगर (पोखरा)के मूल निवासी महंत आलोक दासजी महाराज श्री चित्रकूट धाम बालाजी ट्रस्ट के महंत हैं। उनके मूल निवास पर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महामंत्री चंपत राय ने आमंत्रण पत्र भेजा है। इससे उनके परिजन सहित पिता जनार्दन प्रसाद पांडेय, भाई पंडित अवधेश जी महाराज और क्षेत्र के लोगों में अत्यंत प्रसन्नता है। परिजन अपने को सौभाग्यशाली मान रहे हैं कि क्षेत्र के महंत मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में शामिल हो रहे हैं।

महंत के पिता जनार्दन प्रसाद पांडेय ने बताया कि आलोक दास चित्रकूट धाम में है, घर के पते पर आमंत्रण प्राप्त हुआ है। आमंत्रण मिलने की सूचना दूरभाष पर सूचना दे दी गई है। इस आमंत्रण पर क्षेत्र के राजीव कुमार तिवारी,सोनू तिवारी,अनूप कुमार,पंडित सुनील कुमार,वीरेंद्र दास,संदीप कुमार आदि ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

सियाराम किला से निकली भव्य कलश यात्रा और प्राण प्रतिष्ठा पर प्रारंभ हुई श्री राम कथा

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। सिद्ध पीठ सियाराम किला के प्रथम पीठाधीश्वर ब्रह्मलीन स्वामी मिथिला शरण महाराज छोटे सरकार की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ आज कलश यात्रा से हुई। मां सरयू के पावन तट पर स्थित सियाराम किला में बने यज्ञ मंडप पर सियाराम किला के वर्तमान पीठाधीश्वर महंत करुणानिधान शरण महाराज के सानिध्य में चल रहे प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ पूजन अर्चन से हुआ और श्री महाराज जी के साथ आए हुए सैकड़ो भक्तों ने अंतरराष्ट्रीय श्री राम कथा के प्रवक्ता प्रभंजनानंद महाराज के सानिध्य में भव्य कलश यात्रा निकाली कलश यात्रा सियाराम किला से प्रारंभ होकर लक्ष्मण किला पहुंची जहां मां सरयू का पूजन अर्चन किया गया और मंत्रोच्चारण के साथ कलश में जल भर गया और पुणे सरयू तट होते हुए कलश यात्रा सियाराम किला पहुंची जहां पंचांग पूजन के साथ कर्म कुटी संस्कार संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के दूसरे सत्र में अपराह्न 3 बजे से प्रभंजनानंद महाराज ने श्री राम कथा में बताया कि श्री राम कथा मानव जीवन का आचार संहिता, व्यवहार संहिता और भव पार संहिता है श्री रामचरितमानस में जो आस्तिकता धार्मिकता व्यवहारिकता प्रभु भक्ति एवं दिव्य भावनाओं और उच्च नैतिक आदर्श का वर्णन मिलता है वह अन्यत्र कहीं अत्यंत ही दुर्लभ है मानव के आदर्श चरित्र का यथार्थ वर्णन अगर कहीं जानना है तो श्री राम कथा को अवश्य सुनें। उन्होंने कहा कि संसार का संयोग अनित्य है और वियोग नित्य है संसार के जिन भौतिक वस्तुओं को हम महत्व देते हैं उन वस्तुओं का एक ही काम है कि वह परमात्मा से हमें दूर रखने का कार्य करती है। संसार स्वयं असत्य है और संसार से हमारा संबंध भी असत्य है, यह संसार मेहंदी के पत्ते की तरह ऊपर से तो हरा दिखता है पर यह परमात्मा की लाली से परिपूर्ण है।

श्री महाराज जी ने कहा कि सुख के लिए केवल निरंतर प्रयास ही पर्याप्त नहीं है अपितु उचित दिशा में प्रयास हो यह भी आवश्यक है दुख भगवान के द्वारा दिया गया कोई दंड नहीं है यह तो हमारे कर्मों का फल है जीवन में सुखी होने की चाहत तो प्रत्येक व्यक्ति के भीतर है पर उसके प्रयास सदैव विपरीत दिशा में होते हैं यदि आप सच में सुखी होना चाहते हैं तो फिर उन रास्तों का त्याग क्यों नहीं करते जिन रास्तों से दुख आता है आपकी सुख की चाहत तो ठीक है पर रास्ता ठीक नहीं है मन में कोई बोझ मत रखिए मस्त रहिए अस्त व्यस्त नहीं रहिए खुश रहिए मुस्कुराते रहिए दूसरों से घृणा करने में अपना समय और ऊर्जा नष्ट ना करें प्रेम एवं आनंद के लिए पहले ही बहुत कम समय है जो समय एवं ऊर्जा हम किसी से घृणा निंदा में लगाते हैं वह प्रेम में लगाइए जीवन स्वर्ग तुल्य हो जाएगा। कथा के अंत में मुख्य ने आरती उतारी और प्रसाद वितरण किया गया।

भाजपा की बैठक में योजनाओं को धरातल पर उतारने की हुई चर्चा

संवाददाता—बहराइच। भारतीय जनता पार्टी की विधानसभा स्तरीय बैठक महर्षि कश्यप हिन्दू संस्कृति विद्यालय में आयोजित हुई, जिसमें केंद्र एवं प्रदेश की विभिन्न योजनाओं को धरातल पर पहुंचाने एवं गति देने के लिए चर्चा हुई। मुख्य अतिथि के रूप में पार्टी के जिलाध्यक्ष बृजेश पांडे एवं विशिष्ट अतिथि राघवेंद्र प्रताप सिंह उर्फ टिंकू सिंह मौजूद रहे।

महामंत्री टिंकू सिंह ने वोटर चेतना अभियान, नमो एप अभियान, स्वच्छता अभियान, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, विकसित भारत अभियान, नव मतदाता सम्मेलन, श्री राम जन्मभूमि मंदिर दर्शन अभियान, बूथ सशक्तिकरण अभियान के बारे में बताया।

जिलाध्यक्ष बृजेश पाण्डेय ने कहा कि जो भी योजनाएं चल रहे हैं, उनकी प्रतिदिन समीक्षा होनी है, और जो भी लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं, उनको जल्द ही पूरा किया जाए। 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी एक दिन पहले से ही स्वच्छता अभियान चलाकर एवं जैसे दीपावली में अपने घर को साफ – स्वच्छ रखते हुए दीपक एवं झालर लगाकर सजाते हैं। इस तरह 22 जनवरी को भी अपने घर को सजाएं। ऐसे ही तमाम बिंदुओं पर विस्तृत रूप से चर्चा की गई।

अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की खातिर फूलों के साथ बढ़ी दीयों की मांग

संवाददाता—गोण्डा। अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा को सिर्फ चार दिन शेष हैं। इसको लेकर लेकर जिले में उत्साह चरम पर है। छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक इस भव्य और दिव्य आयोजन के साक्षी बनना चाहते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 जनवरी को मंदिरों के साथ घरों पर भी दीपोत्सव मनाने का आह्वान किया गया है। यही वजह है कि कुम्हारों के यहां मिट्टी के दीयों की मांग बढ़ी है। वहीं, मंदिरों को सजाने को लेकर फूलों की मांग भी बढ़ने की पूरी उम्मीद है। इसको लेकर मंदिर समितियों ने फूल विक्रेताओं से संपर्क साधा है। प्राण प्रतिष्ठा के मद्देनजर कुम्हारों के घरों से दिवाली पर बचे दीयों के ऑर्डर बुक हो चुके हैं। अब बाजार में मांग बढ़ने की वजह से उनके चाक दिन–रात दीये बनाने के लिए घूम रहे हैं। वहीं कुछ कुम्हार गांव में घूम–घूमकर दीये बेचने रहे हैं। इन लोगों के मुताबिक दीपावली पर्व पर सबसे अधिक दीप जलाए जाते हैं। लेकिन इस बार प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव पर भी दिवाली जैसा माहौल रहेगा। मौसम में नरमी आने पर आंवा में रखकर दीयों को पकाने का काम तेजी से चल रहा है। पूरा परिवार दिन भर इस काम में व्यस्त है। घर के पुरुष सदस्य दीये बनाने में जुटे रहते हैं, तो महिलाएं उन्हें सुखाने में व्यस्त रहती हैं। बेलहरा कोठी के कुम्हार प्राण प्रतिष्ठा पर्व पर दीपावली के बराबर ही दीये बिकने का अनुमान है। वहीं, धनईपुर के निक्कू ने बताया कि उम्मीद ही नहीं थी कि दीपावली से पहले दीये की इतनी बिक्री होगी। लोग फोन करके दीया घर पहुंचने की बात कर कह रहे हैं। दूसरी ओर, जिले में फूलों की मांग भी तेजी से बढ़ने की उम्मीद है। विश्व हिंदू परिषद के प्रांतीय धर्म यात्रा प्रमुख राकेश वर्मा ने बताया कि 496 वर्ष के बाद यह अवसर मिला है। इस दिन को खास बनाने के लिए तेजी से लोग जुटे हैं। गांव गांव मंदिरों की सफाई की गई है।

बाजार में दो रुपए से लेकर पांच रुपए का मिट्टी के दीये मिल रहे है। पांच रुपए में रंग–बिरंगे और डिजायनर दीये मिल रहे हैं। दीपक प्रजापति ने बताया कि दीपावली पर जो दीये बच गए थे, वे सब बिक गए।

उत्तराखंड व हिमाचल में हो रही बर्फबारी ने जिले में बढ़ाई गलन

संवाददाता—बलरामपुर। पाला व कोहरे के कारण गत वर्ष की अपेक्षा जनवरी माह में इस बार पारा सात डिग्री सेल्सियस नीचे रहा है। अभी तीन दिनों तक धूप खिलने के आसार नहीं दिख रहे हैं। तीन दिनों के बीच पारा तीन डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। लुढ़कते पारे के बीच चल रही पछुवा हवाओं से गलन व ठंड बढ़ी है। हाड़ कंपा देने वाली ठंड में लोगों ने अपने को घरों में कैद कर रखा है। जिला वासियों को पिछले तीन दिनों से सूर्य देव के दर्शन नहीं हुए। संतराम, मनोज कुमार, महेंद्र प्रताप, अनोखी लाल, मंशाराम आदि ने बताया कि उन्होंने पांच साल के बीच इतनी भीषण ठंड कभी नहीं झेली थी। जो एक बार जलता हुआ अलाव पकड़ ले वह छोड़ नहीं पाता। हड्डी गलाने वाली ठंड का सामना करना मुश्किल हो रहा है। पिछले साल जनवरी माह में न्यूनतम पारा 12 तक गया था जो इस बार पांच डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। आपदा प्रबंधन सलाहकार अरुण कुमार सिंह की माने तो अभी तीन दिनों तक सूर्य देव के दर्शन होने की संभावना नहीं है। पाला हुआ शीत लहर का प्रकोप जारी रहेगा। कोहरा इतना की सड़क दिन भर भीगी रहती हैं। नगर में जलते अलाव की बात तो दूर लोग दिन में बुझी हुई राख तपने से भी नहीं चूकते। ग्रामीण अनोखी लाल, प्रेम कुमार, प्रताप वर्मा, बड़े लाल व भानु प्रताप आदि का कहना है कि एक कंबल ओढ़ कर रात काटना मुश्किल हो रहा है। जिनके पास मोटी रजाई नहीं है वह करवट बदलकर रात बिताते हैं। मौसम विज्ञान के जानकारी डॉक्टर हिमांशु घर द्विवेदी बताते हैं कि मौसम अभी तीन दिनों तक खराब रहेगा। उत्तरांचल व हिमाचल के पहाड़ों पर जबरदस्त बर्फबारी हो रही है। बर्फ छूने के बाद हवाओं का वजन भारी हो जाता है इसलिए उनका दबाव नीचे की ओर होता है। पहाड़ों की बर्फबारी का असर दिल्ली व यूपी के उत्तरी जिलों पर पड़ता है। तराई के जिलों में सर्द हवाओं का अधिक प्रभाव पड़ता है। शरद ऋतु में तराई की जमीन पहले से ही नम रहती है। ठंडी हवाएं आने से गलन बढ़ जाती है। इस समय सात से लेकर 17 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से पांचवा हवाएं चल रही है। उत्तरांचल व हिमाचल से हवाएं यहां पहुंचने में 48 घंटे का समय लगता है। उन्होंने बताया कि जिले में पांच दिनों के भीतर ठंड का प्रभाव सामान्य हो जाएगा। ठंड से बचाव करना आवश्यक है।

चोरी की घटना का खुलासा चोरी गया ई रिक्शा बरामद

संवाददाता—श्रावस्ती। पुलिस की ओर से अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत एक तीन दिन पहले चोरी गया ई रिक्शा पुलिस ने बरामद कर लिया। चोरी करने वाले एक आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया गया है।

श्रावस्ती थाने के ग्राम छाडुपुरवा दाखिला बेलहा राघव के निवासी बच्छराज ने थाने में प्रार्थना का दिया था कि उनका ई–रिक्शा 14 जनवरी 24 को किसी चोर ने चोरी कर लिया। इस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर खोजबीन शुरू कर दी। थानाध्यक्ष श्रीमती पुष्पलता मय पुलिस टीम के खोजबीन कर रही थीं। इस पर बुधवार को पुलिस टीम ने चोरी गया ई रिक्शा बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपी की पहचान महेन्द्र कुमार कोरी पुत्र ननके कोरी निवासी ग्राम अमरहवा थाना कोतवाली देहात जनपद बलरामपुर को बगिया चौधरी कटरा के पास से गिरफ्तार किया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध कोतवाली बलरामपुर, थाना इकौना और श्रावस्ती में तीन मुकदमें दर्ज हैं। गिरफ्तार किए गए आरोपी को जेल भेज दिया गया है। गिरफ्तारी टीम में थानाध्यक्ष पुष्पलता, उपनिरीक्षक विवेक राठौर,आरक्षी मोहम्मद कयास, देवेन्द्र यादव, प्रवीण कुमार पाण्डेय आदि मौजूद रहे।

रोजगार मेले में 122 लोगों को मिला काम, विधायक ने बांटे प्रमाण पत्र

संवाददाता—श्रावस्ती। कौशल विकास मिशन व दीनदयाल उपाध्याय–ग्रामीण कौशल्य योजना के संयुक्त तत्वाधान में ब्लाक मुख्यालय इकौना में विकास खण्ड स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया। जिसमें 122 लोगों को रोजगार मिला। जिन्हें विधायक ने प्रमाण पत्र वितरित किया। रोजगार मेले का शुभारम्भ विधायक रामफेरन पाण्डेय ने किया। मेले में कुल 08 कम्पनियों के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग करके अभ्यर्थियों का साक्षात्कार किया। मेले में 295 अभ्यर्थियों ने साक्षात्कार में प्रतिभाग किया। जिसमें कम्पनियों की ओर से साक्षात्कार के माध्यम से 122 अभ्यर्थियों को चयनित किया गया है। विधायक ने मेले में चयनित अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र वितरण किया तथा स्व रोजगार के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि देश एवं प्रदेश सरकार युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए जिला एवं ब्लाक स्तर पर वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। जिससे माध्यम से पात्र युवक युवतियों का चयन कर उन्हें रोजगार से जोड़ा जा सके और आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार किया जा सके। इस अवसर पर प्रभारी जिला समन्वयक कौशल विकास मिशन गौरव खडायत, जिला सेवायोजन अधिकारी सचिन चौधरी, शुभम शर्मा, अखिलेश प्रताप सहित अन्य संबंधित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

भगवान ऋषभदेव ने किया था ब्राह्मी लिपि का सूत्रपात–माता ज्ञानमती

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। जैनधर्म के अनुसार इस सृष्टि पर षट्‌काल परिवर्तन चलता रहता है। प्रथम, द्वितीय और तृतीय काल में भोगभूमि विद्यमान रहती है। इन कालों में स्त्री–पुरुष का युगलिया जन्म होता है और जीवन जीने के सभी साधन कल्पवृक्षों से प्राप्त होते हैं। लेकिन चतुर्थ काल का आरम्भ होते ही कल्पवृक्ष शक्तिहीन हो जाते हैं और प्रजा में जीवन जीने के लिए हा–हाकार मच जाता है। ऐसे समय में जैनधर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव जन्म लेकर इस धरती पर प्रजा को जीवन जीने की कला सिखाते हैं। यही इस युग का आदिकाल कहलाता है और कर्मभूमि प्रारम्भ होती है।उक्त बातें बड़ी मूर्ति–जैन तीर्थ अयोध्या में विराजमान जैन साध्वी गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माता ने बताते हुए कहा कि भगवान ऋषभदेव ने प्रजा को असि (शस्त्रविद्या), मसि (लेखन विद्या), कृषि (खेती), विद्या (शिक्षा), वाणिज्य (व्यापार) और शिल्प (कला) रूपी छः क्रियाएँ सिखाकर सभी को जीवनदान दिया था। यही षट्‌क्रियाएँ आज तक इस धरती पर प्रजा अपने जीवन यापन के लिए अपना रही है।

भगवान ऋषभदेव ने अपने भरत, बाहुबली आदि 101 पुत्रों को विभिन्न 72 कलाएँ सिखाई और इसी क्रम में अपनी सुपुत्री ब्राह्मी को अ, आ, इ, ई आदि अक्षर लिपि तथा दूसरी पुत्री सुन्दरी को 1, 2, 3, 4 आदि अंक लिपि सिखाई। यही आज तक पूरे विश्व में ऋषभदेव की पुत्री ब्राह्मी के नाम पर ब्राह्मीलिपि के रूप में और अंकलिपि गणित के रूप में विश्व विख्यात चली आ रही है।इस प्रकार इस अयोध्या के गर्भ में जैनधर्म के ऐसे अनेकों युगादि इतिहास भरे पड़े हैं जिनके कारण यह अयोध्या तीर्थ भूमि जैन समाज द्वारा युगों से सतत् पूजी जा रही है। इन इतिहासों के क्रम में इक्ष्वाकुवंशीय भगवान श्री रामचन्द्र ने भी इस धरती पर जन्म लेकर इस अयोध्या को महान गौरवशाली बनाया है।

उन्होंने कहा कि इसी प्रकार

एपीएफ ने 20 लाख के कस्टम चोरी का सामान पकड़ा

संवाददाता—बहराइच। भारतीय सीमा से सटे नेपाली क्षेत्र में नेपाल सरकार ने आर्म्ड पुलिस फोर्स के जवान तैनात किए हैं। इसी कस्टम चोरी के कारण नेपाली कस्टम का राजस्व निरंतर कम होता जा रहा है। परंतु एपीएफ यह अभियान निरंतर जारी किए हुए है। नेपाली सशस्त्र पुलिस बल 30 नम्बर वागेश्वरी गण बांके जिले में तैनात है। इसकी यूनिट ने 20 लाख रुपयों का सामान कब्जे में लिया है। एपीएफ के सूचना अधिकारी व डीएसपी महेंद्र भारती ने बताया कि बहराइच से नेपाली बांके जिले के विभिन्न स्थानों से नेपाल लाते हुए 1,41 080 रुपयों के बाइक के पार्ट्स, डेढ़ लाख की बाइक, 2 लाख 42 हजार के कांसे व पीतल के बर्तन, 1 लाख 71 हजार के फल व पौधे, 52 हजार के कपड़े बरामद हुए हैं। बांके जिले के नरैनपुर गांव सभा वार्ड नं 6 स्थित ननकऊपुर क्षेत्र में एक मैजिक गाड़ी में बिना बिल बीजक 3,20,800 किलो बायलर मुर्गे व 10 लाख मूल्य का चार पहिया वाहन के साथ राप्ती सोनारी गांव सभा वार्ड नं 7 निवासी 25 वर्षीय राजेश चौधरी को पकड़ा गया है। डीएसपी भारती ने यह भी बताया कि बरामद सामान, वाहन व पकड़े गए राजेश चौधरी को नेपालगंज कस्टम कार्यालय को सौंप दिया है।

37 भाजपाई जाएंगे अयोध्या, प्रतिष्ठा समारोह व्यवस्था में लगी डियूटी

संवाददाता—गोण्डा। अयोध्या में राम लला प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर जिले में भी तैयारियां जोरों पर है। पड़ोसी जनपद होने के कारण महोत्सव को लेकर सबसे अधिक उत्साह भी यहीं पर देखने को मिल रहा है। वहीं वहां की व्यवस्था में भी यहां के लोगों की भागीदारी भी खूब है। अब भाजपा के 37 पदाधिकारी व कार्यकर्ता अयोध्या भेजे जा रहे हैं। यह कार्यकर्ता वहां सौंपी गई जिम्मेदारी का निवर्हन करेंगे। हर ग्राम अयोध्या धाम अभियान जिले में चलाया जा रहा है। पार्टी गांव – गांव 22 जनवरी को अयोध्या में होने वाले राम लला प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर कई कार्यक्रम चला रही है। हर ग्राम, अयोध्या धाम अभियान के तहत जिले के लगभग चिन्हित 1700 मंदिरों में साफ–सफाई का कार्यक्रम चलाया जा रहा है। वहीं 22 जनवरी को इन मंदिरों में पूजन–अर्चन के साथ ही जगह–जगह भंडारे का भी आयोजन किया जा रहा है। मंदिरों में एलईडी लगाकर प्रतिष्ठा महोत्सव का सीधा प्रसारण भी लोगों को दिखाने की तैयारी की जा रही है। राम लला प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के बाद 25 जनवरी से 25 मार्च तक राम लला दर्शन कार्यक्रम को लेकर भी कवायद तेज कर दी गई है। जिसके तहत पार्टी बसों के माध्यम से हर बूथ से पांच–पांच लोगों को अयोध्या दर्शन के लिए लोगों को ले जाने की भी कवायद की जा रही है। अब यहाँ से अयोध्या में होने वाले प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की व्यवस्था में 37 भाजपाइयों की ड्यूटी लगाई गई है। इन सभी लोगों के नाम तय कर सूची भी भेज दी गई है। सूची में शामिल लोगों के आधार कार्ड व अन्य पहचान पत्र भी पास के लिए भेज दिया गया है।

राघवेंद्र ओझा, जिला मीडिया प्रभारी भाजपा ने कहा कि 22 जनवरी को अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में व्यवधान को लेकर 37 पदाधिकारियों के नाम भेजे गए हैं। इन पदाधिकारियों को वहां से आदेश आते ही वहां भेज दिया जाएगा। पास के लिए आधार कार्ड व अन्य पहचान पत्र भी भेजा जा चुका है।

अपने दायित्वों का बेहतर ढंग से करें निर्वहन–कृतिका

संवाददाता—श्रावस्ती। आगामी लोकसभा सामान्य निर्वाचन–2024 को सकुशल तथा निष्पक्ष रूप से कराने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी कृतिका शर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में नोडल व सहायक नोडल अधिकारियों के साथ बैठक की। जिसमें नोडल अधिकारियों को बेहतर तरीके से चुनाव करने का निर्देश दिया गया। लोकसभा सामान्य निर्वाचन–2024 को व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने के लिए 23 नोडल अधिकारियों एवं 102 सहायक नोडल अधिकारियों की तैनाती की गई है। जिन्हें चुनाव के पहले ही पूरी तैयारी करने का निर्देश दिया गया है। बैठक के दौरान डीएम ने कहा कि चुनाव से पहले सभी तैयारियां पूरी कर ली जाएं। उन्होंने बताया कि मतदान में उपयोग आने वाले सभी सामानों को पहले से ही सुरक्षित और व्यवस्थित कर लिया जाय। जिसमें मतदाता जागरूकता एवं निर्वाचन सहभागिता कार्यक्रम, कन्ट्रोल रूम की तैयारी कर ली जाय। उन्होंने सभी नोडल अधिकारी व सहायक नोडल अधिकारियों को निर्देश दिया है कि निर्वाचन कार्य सुचारू रूप से करायेंगे। अपने प्रकोष्ठ से सम्बन्धित सभी कार्य पूरा कराने के लिए प्रयास करें। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही एवं शिथिलता न बरते। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अनुभव सिंह, जिला विकास अधिकारी रामसमुझ, मुख्य चिकित्साधिकारी डा एपी सिंह, प्रभागीय वनाधिकारी डीएन सिंह, उप निदेशक कृषि कमल कटियार, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग एसके हरित, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक मिथलेश कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी डा अमरनाथ यति, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी अभिषेक उपाध्याय, जिला पंचायत राज अधिकारी नन्दलाल सहित निर्वाचन कार्य में लगाये गये अन्य नोडल/सहायक नोडल अधिकारी मौजूद रहे।

शव देख बेहोश हो रही थी मां, बोली- बेटे के हत्यारों को फांसी दो

संवाददाता—कुशीनगर। नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र रायपुर भेड़िहारी गांव में दो समुदाय के युवकों के बीच हुई मारपीट में घायल कैफ की मंगलवार की सुबह मेडिकल कॉलेज गोरखपुर में इलाज के दौरान मौत हो गई। यह खबर गांव में पहुंचते ही ग्रामीणों की भारी भीड़ कैफ के दरवाजे पर जुट गई। ग्रामीण एक स्वर में आरोपियों और ग्राम प्रधान की गिरफ्तारी की मांग को लेकर आक्रोशित दिखे। बेटे की मौत की खबर सुनकर कैफ की मां बदहवास हो गई। हालत यह थी कि वह बार–बार बेहोश हो जा रही थीं। जैसे ही कफन में लिपटा कैफ का शव दरवाजे पर पहुंचा, मां के मुंह से आवाज निकली कि बेटे के हत्यारों को फांसी दो। मिली जानकारी के अनुसार देवतहां बाली निवासी 18 वर्षीय सद्दाम गांव में स्थित एसटीएनडीएन पब्लिक स्कूल में कक्षा नौ का छात्र है। बीते आठ जनवरी को स्कूल से छुट्टी के बाद घर आते समय रायपुर भेड़िहारी के कुछ लड़कों से उसकी कहासुनी हो गई थी। सद्दाम तथा उसके चचेरे भाई कैफ अपने साथ कुछ लड़कों को लेकर रायपुर भेड़िहारी की तरफ गया था। वहां रायपुर भेड़िहारी के कुछ लड़कों से कोई पुराना वीडियो डिलीट करने की बात को लेकर मारपीट हो गई। इसमें सद्दाम और कैफ गंभीर रूप से घायल हो गए तथा उनकी बाइक को भी तोड़ दिया था। घायलों को मेडिकल कॉलेज गोरखपुर में भर्ती कराया गया। वहां मंगलवार को सुबह कैफ की इलाज के दौरान मौत हो गई। इससे पहले घटना के दिन ही कैफ के चाचा शहादत की तहरीर के आधार पर पुलिस ने देवतहां बाली निवासी आरोपी आलोक सिंह, भेड़िहारी टोला निवासी आकाश गुप्ता, विवेक सिंह, अमन गुप्ता, श्रीनिवास गुप्ता, देवीशरण, ग्राम प्रधान अशोक सिंह व पांच अज्ञात लोगों के खिलाफ जान से मारने का प्रयास, बलवा, तोड़फोड़ समेत कई गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर लिया था। चार आरोपी आलोक सिंह, आकाश गुप्ता, विवेक सिंह व अमन गुप्ता को चार लाठियों के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। बाकी आरोपियों की खोजबीन में पुलिस लगी हुई थी। कैफ के मौत की खबर गांव में पहुंचते ही माहौल बिगड़ने लगा। शाम को पोस्टमार्टम के बाद मृतक कैफ का शव जब उसके गांव आया तो ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ गई। बेटे के शव को देखकर मां दहाड़े मारकर यह कहते हुए रोने लगी श्श्मेरे बेटे के हत्यारों को फांसी दो। उसकी मां ने यह भी आरोप लगाया कि नेबुआ नौरंगिया थाने की पुलिस आरोपियों को बचाने में जुटी हुई है।

जगतगुरु श्रीधराचार्य श्रद्धालुओं को अनवरत कर रहे हैं प्रसाद वितरण

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या।श्री राम लला के पावन प्रतिष्ठा महोत्सव में प्रतिष्ठित पीठ श्री अशर्फी भवन में जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी श्री श्रीधराचार्य जी महाराज के सानिध्य में श्री अवध धाम में पधारे समस्त राम भक्त एवं दर्शनार्थियों के लिए बृहद भंडारे का आयोजन प्रातः काल से रात्रि पर्यंत 13 जनवरी से अनवरत श्री अशर्फी भवन में चल रहा है भंडारे में प्रसाद ग्रहण करते हुए श्रद्धालु राम भक्तगण यह आयोजन नित्य 25 जनवरी तक अनवरत रूप से श्री अशर्फी भवन पीठ में पूज्य महाराज श्री के सानिध्य में संचालित है। ऐसे ही अयोध्या में लगभग एक दर्जन स्थानों पर जगह–जगह लोग प्रसाद वितरण कर रहे हैं और श्रद्धालु आनंद में होकर के प्रसाद को पाते दिख रहे हैं।

वैसे देखा जाए तो प्राण प्रतिष्ठा के पहले अयोध्या राम में हो गई है और ऐसा लग रहा है कि जैसे त्रेता युग वापस आ गया हो पूरे शहर में सैकड़ो जगह चाय नाश्ता के साथ–साथ भोजन प्रसाद का वितरण किया जा रहा है अयोध्या में आने वाले श्रद्धालुओं को वर्तमान समय में कोई परेशानी कहीं दिखाई नहीं दे रही है। सेवा के लिए उत्साही समाजसेवी संस्थाएं पूरे देश से आ करके अयोध्या में प्रभु श्री राम के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के अवसर पर अपनी–अपनी सेवाएं श्रद्धा भाव से प्रदान कर रहे हैं।

श्रीसिद्धनाथ मंदिर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने की सफाई

संवाददाता—बहराइच। भाजपा के प्रदेश मंत्री व जिला प्रभारी शिवभूषण सिंह, जिलाध्यक्ष बृजेश पांडे के नेतृत्व में पांडव कालीन श्री सिद्धनाथ मंदिर परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। कार्यकर्ताओं ने सफाई कर महंत महामंडलेश्वर रवि गिरी ने भगवान भोलेनाथ का मंत्रोच्चार करा जलाभिषेक कराया गया। महंत सभी को आशीर्वचन दिया। भगवान भोले नाथ से प्रार्थना की श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम बिना किसी विघ्न बाधा के पूर्ण हो। कार्यक्रम के बाद महा संक्रांति होने के नाते खिचड़ी भोज का कार्यक्रम भी किया गया। इस अवसर पर जिला महामंत्री राघवेंद्र प्रताप सिंह, नन्हेंलाल लोधी, जिला उपाध्यक्ष रणविजय सिंह, राहुल राय, सुवेद वर्मा, जिला मंत्री हेमा निगम आदि मौजूद रहे।

इकौना नगर में चलाया गया अतिक्रमण मुक्त अभियान

संवाददाता—श्रावस्ती। अपर जिलाधिकारी राम दत्त राम एवं अधिशासी अधिकारी डा अनीता शुक्ला के नेतृत्व में अतिक्रमण मुक्त भारत अभियान चलाया गया। इसके तहत नगर में साफ सफाई की गई और दुकानदारों को बताया गया कि किसी भी प्लास्टिक का प्रयोग न करें।

अभियान के दौरान अपर जिलाधिकारी ने नगर के मुख्य मार्ग पर अतिक्रमण संबंधी अभियान चलाकर बेचू बाबा से करसौंधन धर्मशाला एवं सिनेमा हॉल से बेचूबाबा मंदिर तक नाली से अतिक्रमण हटवाया। इसके साथ ही पांच दुकानदारों से 500 रुपये का जुर्माना वसूल कर पटरी पर दुकान न लगाने का निर्देश दिया। किसी भी दुकानदार का सामान नाली पर लगा हुआ पाया गया या उसके दुकान के सामने ठेला लगवाए जाते पाए गए तो उसे दो हजार रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा। वहीं अधिशाशी अधिकारी अनीता शुक्ला ने बताया कि स्वच्छ भारत अभियान के तहत प्लास्टिक पन्नी थर्माकोल के थाली गिलास आदि की बिक्री न करें। दुकान पर बिक्री करते पाये जाएंगे तो उन पर₹1000 से ₹5000 तक जुर्माना वसूल लगाया जाएगा। दुकानदार एवं ठेला व्यापारियों से प्लास्टिक थैली को दुकानों पर सामान देना बंद कर दें अन्यथा उनके दुकान में चेकिंग के दौरान दुकान पर प्लास्टिक थैली बिक्री करते पाई गई तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर वरिष्ठ निरीक्षक भगत राम यादव, क्लर्क रितेश गुप्ता,ओमप्रकाश गुप्ता सहित तमाम एनजीओ के कर्मचारी शामिल रहे।

राम मंदिर के लिए 3 दिनों तक बिस्तर पर नहीं सोएंगे पीएम मोदी, छोड़ देंगे भोजन

संवाददाता–अयोध्या। राम मंदिर के उद्घाटन को लेकर अयोध्या में तैयारियां लगभग अंतिम चरण में हैं। प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान भी मंगलवार यानी 16 जनवरी से शुरू हो चुका है। यह 22 जनवरी तक लागातार चलेगा। राम मंदिर अभिषेक समारोह के मुख्य यजमान अनिल मिश्रा होंगे। उन्हें 10 अलग–अलग तरीकों से स्नान कराया जाएगा।

राम मंदिर के वैदिक पुजारी सुनील लक्ष्मीकांत दीक्षित ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि प्राण प्रतिष्ठा समारोह में लगभग 150 विद्वान भाग लेंगे। यह प्रार्थना मंगलवार को शुरू हो चुकी है। 22 जनवरी की शाम तक जारी रहेगी। यजमान की शुद्धि के लिए प्रायश्चित प्रार्थना की गई। विष्णु पूजा और गोदान भी किया जाएगा। मूर्ति को साफ करने के बाद इसे मंदिर की ओर ले जाया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को राम लला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा करनी है। इसके लिए वह 11 दिनों के अनुष्ठान पर हैं। इसके आलाव, पीएम मोदी ने खुद ट्रस्ट से रीति–रिवाजों के बारे में पूछा है। प्रधानमंत्री 11 दिनों से उपवास कर रहे हैं। इस दौरान वह नियमों का पालन कर रहे हैं। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से तीन दिन पहले वह पीएम मोदी बिस्तर पर नहीं सोएंगे। इस दौरान वह कठोर उपवास रखेंगे और केवल फलों का सेवन करेंगे। पीएम मोदी लकड़ी की चौकी या खाट पर सिर्फ कंबल बिछाकर सोएंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्राण प्रतिष्ठा के दिन पूर्ण व्रत रखेंगे। पीएम मोदी विशिष्ट मंत्रों का जाप करेंगे। जटायुजी की मूर्ति उन सभी लोगों के प्रतीक के रूप में बनाई गई है जिन्होंने मंदिर के लिए बलिदान दिया है। पीएम मोदी खुद उनकी पूजा करेंगे। इसके साथ ही पीएम मोदी मंदिर निर्माण में भूमिका निभाने वाले मजदूरों से भी मुलाकात करेंगे। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह की सभी रस्में वाराणसी के आचार्य गणेश्वर शास्त्री द्रविड़ और काशी के मुख्य आचार्य लक्ष्मीकांत दीक्षित के नेतृत्व में 121 आचार्यों द्वारा पूरी की जाएंगी। 22 जनवरी को भगवान रामलला के अभिषेक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मौजूद रहेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों से अपील की है कि जो भी लोग 22 जनवरी को राम मंदिर अभिषेक समारोह के लिए अयोध्या आने के लिए उत्सुक हैं, उन्हें अपनी सुविधा के अनुसार बाद में आना चाहिए। 22 जनवरी को हर किसी के लिए अयोध्या पहुंचना बहुत मुश्किल है। राम भक्तों से हाथ जोड़कर उन्होंने अनुरोध है कि 22 जनवरी को अनुष्ठान के साथ कार्यक्रम समाप्त होने के बाद वे अपनी सुविधा के अनुसार 23 जनवरी के बाद अयोध्या आ सकते हैं।

मां की भूल पड़ गई भारी, दो मासूमों की हुई मौत खुद लड़ रही जिंदगी की जंग

संवाददाता–गोरखपुर। कड़ाके की ठंड से बचने के लिए लोग तरह–तरह के उपाय कर रहे हैं। इन उपायों में सबसे खतरनाक है कि बंद कमरे में अंगीठी जलती छोड़कर सो जाना। पिछले कुछ दिनों में लखीमपुर खीरी सहित यूपी के अलग–अलग जिलों में इस एक गलती की वजह से कई लोग जान गंवा चुके हैं। अब गोरखपुर में भी दो मासूम बच्चों की मौत ऐसी ही गलती की वजह से हो गई है। बच्चों की मां की हालत गंभीर है। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना गोरखपुर के गगहा क्षेत्र में हुई है। गगहा क्षेत्र के चकमाली उर्फ विठुआ गांव के रहने वाले दिलीप निषाद रोजी–रोटी के लिए खाड़ी देश में काम कर रहे हैं। यहां घर पर उनकी पत्न्नी राधिका, पांच वर्षीय बेटा अंश और तीन वर्षीय बेटी अंतिका रहती थी। बताया रहा है कि ठंड से बचने के लिए उन्होंने रात में अलाव जलाया था। बाद में अंगीठी में आग छोड़कर तीनों बंद कमरे में सो गए। पिछले कई दिनों से गोरखपुर में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। मंगलवार को दिन में तापमान 14 डिग्री सेल्सियस था। तड़के हल्की बूंदाबांदी भी हुई थी। इसकी वजह से गलन बढ़ गई। ठंडी हवाओं के कारण लोगों को गलन से परेशान हैं। ऐसी ही स्थिति में राधिका और उसके बच्चों ने बंद कमरे में आग से बचने के लिए अंगीठी जलती छोड़ दी होगी। इस वजह से बंद कमरे में तीनों का दम घुट गया। इससे दोनों बच्चों की मौत हो गई जबकि मां बेहोश हो गई। सुबह जब देर तक तीनों में से कोई कमरे से बाहर नहीं निकला तो लोगों ने जाकर देखा। लोग तत्काल तीनों को लेकर नजदीकी अस्पताल पहुंचे जहां डॉक्टरों ने दोनों बच्चों को मृत घोषित कर दिया। मां का बड़हलगंज के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

बागेश्वर धाम सरकार का सजा दरबार, बोले- ज्ञानवापी और मथुरा बाकी हैं, रामजी अयोध्या आ गए है

संवाददाता–गोरखपुर। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, जिस राज्य में भय भूख से मुक्ति मिले वह रामराज्य है। जो सत्ता का भूखा होगा, वह राजा नहीं हो सकता। वह स्वार्थी होगा। सेवा का भूखा ही राजा हो सकता है। रामजी सेवा के भूखे थे। जो प्रजा से सेवा कराए, वह राजा नहीं, जो प्रजा की सेवा करे वह राजा है। बुधवार को बाबा बागेश्वर धाम सरकार पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री राम कथा सुनाने गोरखपुर पहुंचे। बड़लहलगंज में अगले 3 दिन तक धीरेंद्र शास्त्री रामकथा कहेंगे। बुधवार को कथा सुनने के लिए 2 लाख लोग पहुंचे हैं। गुरुवार को दिव्य दरबार लगेगा। अर्जियों पर धीरेंद्र शास्त्री लोगों से बात करेंगे। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि जिस राज्य में भय भूख से मुक्ति मिले वह रामराज्य है। जो सत्ता का भूखा होगा, वह राजा नहीं हो सकता। वह स्वार्थी होगा। सेवा का भूखा ही राजा हो सकता है। रामजी सेवा के भूखे थे। जो प्रजा से सेवा कराए, वह राजा नहीं, जो प्रजा की सेवा करे वह राजा है। उन्होंने कहाकि जातिवाद से ऊपर उठकर हिंदू को एक होना होगा, तभी भारत हिंदू राष्ट्र बनेगा। रामजी वनवास से लौट कर आए हैं, अयोध्या उल्लास से भर गया है। वे अनंत रूप धारण कर सबको गले लगाते हैं। रामराज्य का समय आता है तो राम ने सबसे पहले अवधपुरी का जिक्र किया। उन्होंने कहाकि कथा का मतलब ये नहीं कि जय श्रीराम का नारा लगाए और चल दिए। कथा का मतलब अपने दिल को अयोध्या मान लो और मन को राजा यानी राम। फिर देखो जैसे अयोध्या में रामजी आ गए, वैसे आपके दिलों में भी राम बस जाएंगे। हर तरफ बस रामराज्य होगा।

उन्होंने कहा कि रामजी अयोध्या आ गए हैं, ज्ञानवापी और मथुरा बाकी है। जब देश में संतों का सम्मान हो, संतों के हाथ में सत्ता हो, तो समझो रामराज्य आ गया। राजे भी देखे...महाराजे भी देखे...पर मेरे राम जैसा कोई राजा ना था....मेरे राम जैसा कोई न होगा। कथा की शुरुआत करते हुए धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, ऐसा लग रहा है, जैसे महाकुंभ यहीं पर चल रहा है। साधू जी...सीताराम। अंततोगत्वा हम आ ही गए। भारत में फिर से रामराज्य आ गया है। भीड़ ज्यादा देखकर बोले– सब लोग बैठ जाइए। बैरिकेडिंग टूट जाएगी। ऐसा हुआ तो मीडिया न्यूज बना देगा। इसलिए बैठ जाइए। बता दें कि कथा पहले 15 से 19 जनवरी तक होनी थी, लेकिन सुरक्षा और खिचड़ी पर्व को देखते हुए प्रशासन ने अनुमति वापस ले ली थी। अब कथा की अनुमति मिलने के बाद बुधवार को शुरू हुई है। देशभर से लोग गोरखपुर पहुंचे हैं। यहां गोरखपुर के अलावा बहराइच, फैजाबाद, बिहार, वाराणसी सहित विभिन्न जनपदों और प्रांतों के अनुयायी यहां पहुंचे हैं

सड़क हादसे में युवक की हो गई थी मौत, मुकदमा दर्ज

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर जिले के सिकरीगंज थाना क्षेत्र के कासिमपुर जिगिनी गांव निवासी विवेक बेलदार (19) और उसका दोस्त अविनाश (20) जो 7 दिसम्बर 2023 को हरपुर बुदहट थाना क्षेत्र के सिंघवलिया में शादी में शामिल होने साइकिल से आए हुए थे। वापस जाते समय तुर्कवलिया पुलिया के पास एक बाइक सवार ने उन्हें ठोकर मार दिया, जिससे दोनों सड़क किनारे ट्रांसफार्मर पर गिर गए, एक का इलाज ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई तो दूसरे दोस्त की अस्पताल में मौत हो गई थी। थानेदार विशाल उपाध्याय ने बताया कि इस मामले में मृतक दोस्तो में एक विवेक के पिता रामअचल बेलदार की तहरीर पर अज्ञात वाहन चालक की खिलाफ गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज किया गया है।

डाक्टरों पर भी रामभक्ति का चढ़ा खुमार, राम नाम के मरीजों की फ्री ओपीडी, 22 को आपरेशन भी फ्री

संवाददाता–गोरखपुर। आईएमए से जुड़े महानगर के सात अस्पतालों ने यह पहल की है। इसकी शुरुआत आईएमए के सचिव और हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. अमित मिश्रा ने की। उन्होंने बताया कि अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा आगामी 22 जनवरी को होने जा रही है। ऐसे में जिन मरीजों के नाम में राम लिखा होगा। उनसे ओपीडी में परामर्श शुल्क नहीं लिया जाएगा। ऐसे मरीजों के जांच और ऑपरेशन में भी विशेष छूट दी जाएगी। अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी से गोरखपुर के डॉक्टर भी जुड़ गए हैं। गोरखपुर राममय में होता जा रहा है। महानगर के डॉक्टरों ने राम के नाम वाले मरीजों को ओपीडी में फ्री देखने का फैसला किया है। वहीं 22 को मुफ्त में ऑपरेशन करने का फैसला भी किया गया है। आईएमए से जुड़े महानगर के सात अस्पतालों ने यह पहल की है। इसकी शुरुआत आईएमए के सचिव और हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. अमित मिश्रा ने की। उन्होंने बताया कि अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा आगामी 22 जनवरी को होने जा रही है। ऐसे में जिन मरीजों के नाम में राम लिखा होगा। उनसे ओपीडी में परामर्श शुल्क नहीं लिया जाएगा। ऐसे मरीजों के जांच और ऑपरेशन में भी विशेष छूट दी जाएगी। ाईएमए सचिव व अंश आर्थोपेडिक सेंटर के संचालक डॉ. अमित मिश्रा ने इस अभियान की शुरुआत की। उन्होंने बकायदे इसके लिए नोटिस निकाल दिया। उन्होंने बताया कि मरीजों के नाम की तस्दीक आधार कार्ड से ही होगी। उनके इस अभियान में कई और अस्पताल शामिल हो गए। गोरखनाथ रोड स्थित कात्यायनी हॉस्पिटल, पार्क रोड स्थित त्रिमूर्ति हॉस्पिटल, गीता वाटिका स्थित पीसी हॉस्पिटल, राप्ती नगर स्थित बाम्बे हॉस्पिटल, बेतियाहाता स्थित पीसी हार्ट केयर सेंटर, पार्क हॉस्पिटल, जेल रोड स्थित सृजन आई केयर सेंटर के संचालक भी इसमें शामिल हुए।

कॉलेज में धूमधाम से मनाया गया 20वां वार्षिकोत्सव

संवाददाता–गोरखपुर। बाबू पुरुषोत्तम दास राधा रमण दास महाविद्यालय का 20वां वार्षिकोत्सव बुधवार को धूमधाम से मनाया गया। विशाल कुमार पासवान को स्व. कमल मनी देवी पुरस्कार एवं निष्ठा श्रीवास्तव को स्व. प्रियम्बदा देवी पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कॉलेज में आयोजित वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता के विजेताओं को भी पदक एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में छात्र–छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। सोनाली गौतम और मोहिनी ने मनोहारी नृत्य प्रस्तुत किया। विशाल पासवान, किरण कुमारी, गीता, सुमित कुमार, शशि प्रकाश यादव व नेहा आदि ने कविता पाठ और गीत से समा बांध दिया। इससे पूर्व प्राचार्य विकास रंजन मणि त्रिपाठी ने वार्षिकोत्सव का शुभारंभ किया। उन्होंने प्रगति आख्या प्रस्तुत करते हुए कहा कि कॉलेज की स्थापना का उद्देश्य उच्च शिक्षा को सर्वसुलभ बनाने के साथ ही सामाजिक, नैतिक, आध्यात्मिक एवं मानवीय मूल्यों की स्थापना है।

अयोध्या में विराजेंगे श्रीरामलला, राममय हुई गोरक्षनगरी, बजने लगी है रामधुन

संवाददाता–गोरखपुर। अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के दौरान गोरक्षनगरी भी राममय हो जाएगी। इस दिन को उत्सव की तरह मनाने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। गोरखनाथ मंदिर परिसर को सजा दिया गया है और रामधुन बजने लगी है। शहर के अन्य बड़े मंदिरों को सजाने का काम शुरू हो गया है। यहां श्रीरामचरित मानस का पाठ होगा। विभिन्न धार्मिक और सामाजिक संगठनों ने बड़ी स्क्रीन पर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को सजीव दिखाने की तैयारी की है। बाजार में भी भगवा रंग के झंडे, पताके, वस्त्र बिकने लगे हैं। शाम के पहर पूरे शहर में दीप जलाए जाएंगे। इसकी तैयारी में भाजपा के अलावा राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ ने शुरू कर दी है। 21 हजार दीपों से गुरु गोरक्षनाथ घाट जगमग होगा।

ऐसे में पूरा शहर भगवामय दिखेगा और दीपोत्सव से शहर जगमगाएगा। अयोध्या प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर गोरखनाथ मंदिर राममय हो चुका है। मंदिर में लगे लाउडस्पीकर पर राम आएंगे तो अंगना सजाऊंगी.

..., मेरे घर राम जाए हैं, ठुमक चलत रामचंद्र... आदि भजन एक सप्ताह पहले से ही बजाए जा रहे हैं। मंगलवार से मंदिर में सात दिवसीय अखंड रामचरित मानस पाठ की भी शुरुआत हो गई। इसके लिए पुराने हनुमान मंदिर में श्रीराम दरबार की स्थापना की गई है, जहां भगवान राम, माता सीता, लक्ष्मण और हनुमान की प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। इसके अलावा ब्रह्मलीन मंहत दिग्विजयनाथ व ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ का चित्र भी मंदिर में रखा गया है। यहीं रामचरित मानस का पाठ किया जा रहा है। 22 जनवरी तक अनवरत श्रीरामचरित मानस का पाठ चलेगा। 22 जनवरी को एलईडी स्क्रीन पर प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम को सजीव दिखाया जाएगा। शाम को दीपोत्सव का कार्यक्रम होगा। मंदिर परिसर में 11 हजार दीए जलाए जाएंगे। कार्यक्रम के समापन पर भक्तों में प्रसाद का वितरण भी किया जाएगा।

22 जनवरी को गीताप्रेस के लीला चित्र मंदिर में एलईडी स्क्रीन लगाई जाएगी। यहां 500 लोगों के सजीव प्रसारण देखने की व्यवस्था होगी। सुबह 10 से 11 बजे तक भजन–कीर्तन किया जाएगा। इसके अयोध्या से राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का सीधा प्रसारण शुरू होगा जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन तक दिखाया जाएगा। प्रसाद के लिए राजस्थान से देशी घी का लड्डू मंगाया जा रहा है। इस दौरान गीताप्रेस के सभी कार्य बंद रहेंगे। सभी ट्रस्टी, अधिकारी व कर्मचारी लीला चित्र मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम देखेंगे। गीता वाटिका में 21 जनवरी को अखंड श्रीरामचरित मानस पाठ की शुरुआत होगी, इसकी पूर्णाहुति 22 जनवरी को सुबह 9रू30 बजे होगी। सुबह 10 से 11 बजे तक श्रीरामचतुष्टय की पूजा की जाएगी। 11 बजे से कथा पंडाल में सीधा प्रसारण दिखाने के लिए एलईडी स्क्रीन लगाई जाएगी। यहां एक साथ 300 लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई है। कार्यक्रम के उपरांत भक्तों में प्रसाद का वितरण किया जाएगा। भगवान राम की सूर्य उपासना स्थली सूर्यकुंड धाम में सूर्यकुंड धाम विकास समिति की ओर से राम मंदिर प्रतिष्ठा कार्यक्रम भव्य तरीके से मनाया जाएगा। 17 जनवरी से 23 जनवरी तक यहां सप्तदिवसीय श्रीराम मंदिर निर्माण महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इसके तहत 17 जनवरी से नियमित रूप से सुबह नौ बजे से श्रीराम पूजन व सुंदरकांड पाठ, कीर्तन–भजन, अपराह्न तीन बजे से श्रीराम महायज्ञ व शाम पांच बजे से आचार्य पंडित अवनीश शुक्ला श्रीराम कथा सुनाएंगे। 22 जनवरी की सुबह प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया जाएगा। शाम को दिवाली मनाई जाएगी। महोत्सव का समापन 23 जनवरी को पूर्णाहुति व महाप्रसाद वितरण होगा।

गुरु गोरक्षनाथ आरती समिति के अध्यक्ष अनुराग मझवार ने बताया कि गुरु गोरक्षनाथ घाट पर रंगोली व दीपोत्सव आयोजित किया जाएगा। घाट को 21 हजार दीपों से सजाया जाएगा। कोलकाता से आए कलाकार राम दरबार का निर्माण करेंगे। सुबह से जबतक कार्यक्रम चलेगा इसका सीधा प्रसारण गुरु गोरक्षनाथ घाट पर दिखाया जाएगा। हनुमान मंदिर बेतियाहाता, पंचमुखी हनुमान मंदिर देवरिया बाईपास, गोलघर काली मंदिर, दाउदपुर काली मंदिर, मोहद्दीपुर गोपाल मंदिर, शाहपुर काली मंदिर, शीतला मठिया जाफरा बाजार, बुढिघ्या माता मंदिर, तरकुलहा माता मंदिर, जटाशंकर हनुमान मंदिर, मुक्तेश्वरनाथ मंदिर सहित तमाम जगहों पर कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया जाएगा।

छपरा से दिल्ली के बीच सरपट दौड़ेंगी ट्रेने

संवाददाता–गोरखपुर। छपरा रेलवे स्टेशन पर चल रहा यार्ड रिमाडलिंग का कार्य पूरा हो चुका है और बाराबंकी–अयोध्या के बीच काम लगभग खत्म होने को है। इससे ट्रेनों के संचालन में सुधार हुआ है। गोरखपुर–लखनऊ इंटरसिटी भी शुरू हो गई। छपरा में एनआई पूरी होने के साथ ही एनईआर की तीसरी लाइन भी शुरू हो गई है। हालांकि, अभी भी सीतापुर–सीतापुर कैंट के बीच एनआई के चलते कई ट्रेनों का रूट डायवर्जन है तो वहीं लखनऊ में ऐशबाग और मानक नगर के बीच दूसरी लाइन बिछाने का काम चल रहा है। ये सारे काम मार्च तक पूरे हो जाएंगे। इसके बाद छपरा से लेकर दिल्ली तक ट्रेनों को कहीं लाइन के अभाव में नहीं रोकना पड़ेगा। लखनऊ–छपरा रेल मार्ग पूर्वोत्तर रेलवे का मुख्य मार्ग है। इस रेल मार्ग से जुड़े बाराबंकी–अयोध्या कैंट रूट के दोहरीकरण का कार्य चल रहा है। इसके अलावा छपरा–छपरा कचहरी रूट पर तीसरी लाइन बिछाने का कार्य हो रहा था। इसलिए 17 दिसंबर से ही बाराबंकी और छपरा में मेगा ब्लॉक था। इसके चलते छपरा–लखनऊ रूट पर 30 से अधिक ट्रेनों का रूट डायवर्ट किया गया था। इसके चलते वैशाली और गोरखधाम जैसी ट्रेनों को भी आने–जाने में औसत से अधिक समय लग रहा है। वैशाली तो सोमवार को 11 घंटे लेट हो गई थी। लेकिन अब छपरा में एनआई का काम पूरा हो चुका है। छपरा–छपरा कैंट के बीच एनईआर की दूसरी थर्ड लाइन का काम 14 जनवरी को पूरा हो गया था। सीआरएस निरीक्षण के बाद इस लाइन को सफलतापूर्वक चालू किया जा चुका है। इसके चलते बिहार की तरफ से आने वाली ट्रेनों का रूट डायवर्जन और कैंसिलेशन समाप्त हो गया है। इसके अलावा बाराबंकी स्टेशन पर चल रहा यार्ड रिमाडलिंग का काम भी लगभग पूरा हो चुका है। जो थोड़ा काम बाकी है, वह अयोध्या रूट पर है, जिसका अभी सीआरएस होना है। माना जा रहा है कि यह काम अब 22 तारीख के बाद होगा। बाराबंकी स्टेशन पर यार्ड रिमाडलिंग के बाद इस रूट पर ट्रेनों के संचालन में सुविधा होगी।

सीतापुर–सीतापुर कैंट स्टेशन के बीच करीब ढाई किलोमीटर की दूरी है। इन दोनों स्टेशन के बीच अभी सिंगल लाइन थी। इसके चलते ट्रेनों को लाइन क्लीयर के लिए इंतजार करना पड़ता था। इंटरलाकिंग का कार्य पूरा होने के बाद बुढ़वल से लेकर दिल्ली तक पूरा रूट डबल हो जाएगा। बुढ़वल से गोरखपुर तक पूरी लाइन डबल है। इस तरह छपरा से लेकर दिल्ली तक पूरी लाइन ही डबल हो जाएगी। ट्रेनों को कहीं लाइन क्लीयर के लिए आउटर पर घंटों खड़ा करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। लखनऊ जंक्शन से कानपुर–नई दिल्ली के बीच चलने वाली ट्रेनों को अभी ऐशबाग से मानकनगर तक सिंगल ट्रैक से गुजरना पड़ता है। इसलिए लाइन क्लीयर के लिए ट्रेनों को इंतजार करना पड़ता है। अब इन दोनों स्टेशनों को जोड़ने के लिए एक अलग से लाइन बिछाई जा रही है। इसके बन जाने से ऐशबाग–मानकनगर रूट पर भी डबल ट्रैक हो जाएगा। इससे लखनऊ से दिल्ली आने–जाने वाली ट्रेनों का संचालन आसान हो जाएगा। सीपीआरओ पंकज कुमार सिंह ने कहा कि इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास एवं विस्तार को लेकर रेलवे ने तेजी से कार्य किया है और ये क्रम अभी भी जारी है। छपरा से लखनऊ मुख्य मार्ग की डबलिंग मल्हौर–डालीगंज की डबलिंग के साथ पूरा हो गया है। ऐशबाग–मानकनगर स्वतंत्र बाईपास लाइन के निर्माण के साथ ही इस रूट का भी बॉटलनेक खत्म हो जाएगा।

बेदखली सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी शिवपूजन पुत्र स्वर्गीय रामलाल ग्राम– साकिन पतेलवा (कटरा) पोस्ट– गांधीनगर जनपद बस्ती (उ.प्र.) का निवासी है। मेरे बेटे राजकुमार के निधन के बाद बहू सपना देवी और उसकी पुत्री दीपशिखा, दिव्या और पुत्र दिव्यांशु का व्यवहार भी परिवार के प्रति ठीक नहीं है। बहू सपना देवी अपने तीन बच्चों के साथ आये दिन परिवार में कलह करती रहती है और अपनी सास को भी मारती पीटती है। उन्हे समझाने की बहुत कोशिश की गई। बहू सपना देवी की मनमानी और प्रताड़ना से तंग आकर मैं उसे और उसकी पुत्री दीपशिखा, दिव्या और पुत्र दिव्यांशु को अपने चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रहा हूं। अपने किसी भी कृत्य के लिये वे स्वयं जिम्मेदार होंगे। प्रकाशन इस उद्देश्य से करा रहा हूं कि वक्त जरूरत पर काम आवे।

कार्यालय जिलाधिकारी, बस्ती

(खनन अनुभाग)

संख्या 219 /खनन सहायक/विज्ञप्ति–ड्रेजिंग/सा0 बालू/2023–24 दिनांक 12.01.2024

उपखनिज के निस्तारण/निकासी के लिए ई–निविदा आमंत्रण हेतु सार्वजनिक सूचना :

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जनपद बस्ती तहसील हर्रैया में घाघरा नदी पर स्थित ग्राम कटरिया चॉदपुर में ड्रैज़िग एवं चैनेलाइजेशन के फलस्वरूप भण्डारित ड्रैज्ड मैटिरियल/साधारण बालू को निस्तारित किये जाने हेतु भूतत्व एवं खनिकर्म अनुभाग, लखनऊ के शासनादेश संख्या 226/86–2019–7(सा0)/2019 दिनांक 05.02.2019 एवं शासनादेश संख्या 758/86–2019–7(सा0)/2019 दिनांक 19.05.2020 में दिये गये निर्देशानुसार 03 माह की अल्प अवधि के लिए ई–टेण्डरिंग प्रणाली के माध्यम से बालू हटाये जाने हेतु कार्यालय विज्ञप्ति संख्या 420/खनन सहायक/विज्ञप्ति–ड्रेजिंग/सा0 बालू/2023 दिनांक 28.02.2023 द्वारा www.etender.up.nic.in पोर्टल के माध्यम से ई–निविदा आमंत्रण हेतु विज्ञप्ति जारी की गयी। सफल निविदादाता द्वारा उक्त निविदा मे निर्गत आशय–पत्र (लेटर ऑफ इन्टेंट) में निहित धनराशि को ससमय जमा न किये जाने के कारण आशय–पत्र दिनांक 20.03.2023 को निरस्त करते हुए ग्राम कटरिया चॉदपुर ड्रैज्ड मैटिरियल/साधारण बालू में शेष बचे हुए बालू के निस्तारण हेतु 03 माह की अल्प अवधि के लिये ई–निविदा प्रणाली के माध्यम से बालू उठाये जाने हेतु निम्नवत उपलब्ध घोषित किया जाता है एवं उपरोक्तानुसार दिनांक 18.01.2024 से दिनांक 29.01.2024 सायं 5:00 बजे तक क्षेत्र से भण्डारित बालू उठान हेतु www.etender.up.nic.in पोर्टल के माध्यम से ई–निविदा आमंत्रित की जाती है।

उपलब्ध ड्रेज्ड मैटिरियल साधारण बालू का विवरण –

क्र0 सं0	तहसील का नाम	स्थल जहां ड्रेज्ड् मैटिरियल साधारण बालू स्थित है	उप खनिज का नाम	नदी का नाम	लाट संख्या	एकत्रित बालू की मात्रा घनमी0 में	साधारण बालू की प्रचलित दर रूपये में	न्यूनतम आरक्षित मूल्य रूपये में	आरक्षित मूल्य का 25% अर्नेस्ट मनी रू0 म
1	हर्रैया	कटरिया चॉदपुर	ड्रेज्ड् मैटिरियल/ साधारण बालू	घाघरा नदी	1	15343	65/–	997295	249324

ई–निविदा की नियम व शर्ते www.etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

(अन्द्रा वामसी)
जिलाधिकारी,
बस्ती।

संख्या उ0प्र0 **200955** दिनांक 16/01/2024
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्णवाद सं. 464/2023

शिवांशु –सायल

1. शिवांशु उम्र लगभग 15 साल पुत्र संतोष कुमार 2. शिवशांत उफ सुशांत उम्र 12 साल पुत्र संतोष कुमार निवासीगण ग्राम गनेशपुर तप्पा गनेशपुर परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती हाल मुकाम ग्राम करमियां शुक्ल तप्पा हरदी परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 22–02–2024

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925

दरख्वास्त मुसम्मा

वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 22–02–2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय–श्रीमान प्रथम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0 53/2021

धर्मध्वज सिंह आदि
बनाम
श्रीमती कोकिला आदि

1. श्रीमती शीला सिंह पत्नी अमर बहादुर सिंह ग्राम जगदीशपुर तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 25–01–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 25 माह 01 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।

मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com